दैनिक
श्रमबिन्दु
भिलाई एवं रांची से एक साथ प्रकाशित समाचार पत्र...
प्रधान संपादक : शिव श्रीवास्तव
भिलाई संस्करण
मंगलवार, 11 जून 2024
वर्ष - 37, अंक - 335
पृष्ठ-8, मूल्य- 01 रूपए
37 वर्ष 1987-2023
डाक पंजीयन क्रं. छ.ग./दुर्ग/13/2024-26
आर.एन.आई. पंजी. क्रं. 54135/88
Email- srambindu@gmail.com
shrambindu@yahoo.in
आप भी समाचार भेज सकते है
वाट्सअप: 8349764019
9098178627
srambindu.com

खास खबर...

छत्तीसगढ़ आ गया मानसून : सुकमा के रास्ते समय से पहले पहुंचा

रायपुर। दक्षिण पश्चिम मानसून की छत्तीगसढ़ में इंट्री हो गई है। सुकमा के रास्ते मानसून छत्तीसगढ़ की सीमा में प्रवेश कर गया है। इधर, प्रदेश के कुछ हिस्सों में प्री मानसून गतीविधियां बढ़ गई है। दक्षिण पश्चिम मानसून यानी तेज गर्मी से राहत देने वाला। इसी वजह से मई के खत?म होने के साथ ही लोग मानसून के आगम का दिन गिनने लगते हैं। मानसून का छत्तीसगढ़ पहुंचने का निर्धारित समय 10 जून है। बीते कुछ वर्षों से मानसून इसी तारीख के आसपास छत्तीसगढ़ पहुंच रहा है। यहां बस्तर के रास्ते मानसून की इंट्री होती है। इस बार मानसून अपने निर्धारित समय से 2 दिन पहले यानी 8 जून को ही राज्य की सीमा में प्रवेश कर गया है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून सुकमा के रास्ते छत्तीसगढ़ पहुंच गया है। सप्ताहभर के भीतर यह पूरे प्रदेश में सक्रिय हो जाएगा। मौसम विभाग के अनुसार सामान्यत: 10 से 15 जून के बीच मानसून रायपुर समेत राज्य के बड़े हिस्से में सक्रिय होत जाता है, जबकि 20 जून के आसपास पूरे राज्य में सक्रिय हो जाता है। इस बार मानसून के दौरान अच्छी बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने दी चेतावनी मौसम विभाग ने राज्य के एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ अंधड़ चलने और बिजली गिरने की चेतावनी दी है। इस दौरान राज्य में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।

कलेक्टर-एसपी दफ्तर खाक

- जैतखाम तोड़े जाने से नाराज समाज के लोग हुए उग्र
- सैकड़ों वाहन जले, दर्जनों पुलिस कर्मी हुए घायल
- दस हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारियों की भीड़

श्रमबिन्दु / बलौदाबाजार

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में उग्र प्रदर्शनकारियों ने सोमवार शाम को कलेक्टर और एसपी दफ्तर में आग लगा दी। भीड़ ने पथराव और गाड़ियों में तोड़फोड़ की। साथ ही 200 दोपहिया, 50 चारपहिया वाहनों को भी जला दिया। भीड़ को काबू करने के लिए लाठीचार्ज भी किया गया। रायपुर आइजी अमरेश मिश्रा, बिलासपुर आइजी संजीव शुक्ला समेत अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर भेजा गया है।

खबर लिखे जाने तक एक पुलिसकर्मी के घायल होने की सूचना है। जानकारी के अनुसार 15 मई की देर रात सतनामी समाज के धार्मिक स्थल गिरौदपुरी धाम से करीब पांच किमी मानाकोनी बस्ती स्थित बाघिन गुफा में लगे धार्मिक चिन्ह जैतखाम को असामाजिक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

लोगों का आरोप है कि पकड़े गए लोग असली आरोपित नहीं हैं और पुलिस दोषियों को बचा रही है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रविवार को ही इस मामले की न्यायिक जांच की घोषणा की थी, लेकिन समाज के लोग सीबीआइ जांच की मांग कर रहे थे।

समाज के लिए सोमवार दोपहर लगभग ढाई बजे ज्ञापन देने के लिए कलेक्टर परिसर पहुंचे थे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोक दिया। प्रदर्शनकारी और पुलिस के बीच झड़प शुरू हो गई। बेरिकेड को तोड़कर हजारों की भीड़ कलेक्टर परिसर में पहुंच गई। लोगों ने पथराव के साथ गाड़ियों में तोड़फोड़ और आग लगाना शुरू कर दिया। इससे कलेक्टर परिसर के कई विभागों के दस्तावेज जलकर राख हो गए। आग बुझाने दमकम की सात गाड़ियां पहुंची थी। इनमें से वाहनों को भी भीड़ ने आग के हवाले कर दिया। प्रदर्शन हिंसक होने के बाद सैकड़ों कर्मचारियों और लोग फंसे हुए थे। उन्हें पुलिस ने किचन के रास्ते बाहर निकाला। प्रदर्शनकारियों ने कृषि विभाग के दफ्तर के अंदर लगे एयर कंडीशन को भी क्षतिग्रस्त किया।

17 मई से चल रहा था शांतिपूर्ण प्रदर्शन

जैतखाम तोड़े जाने से नाराज समाज के लोग कलेक्ट्रेट के पास स्थित दशहरा मैदान में बीते 17 मई से ही शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। इसमें दूसरे राज्यों के सतनामी समाज के लोग भी शामिल हुए थे। सोमवार को प्रदर्शन के दौरान लोग सीबीआई जांच की मांग को लेकर लेकर उग्र हो गए। इसके बाद हालात बिगड़ते चले गए।

क्या है जैतखाम

जैतखाम छत्तीसगढ़ की बोली भाषा का शब्द है। जैत यानी जय और खाम यानी खंभा। जैतखाम मूलरूप से सतनामी पंथ के ध्वज का नाम है, जो उनके संप्रदाय का प्रतीक है।

मोदी कैबिनेट के मंत्रियों को मिले विभाग

मंत्री तोखन साहू को आवास एवं शहरी विकास विभाग

श्रमबिन्दु / नई दिल्ली

मोदी सरकार के शपथ ग्रहण के 23 घंटे बाद विभागों का बंटवारा कर दिया गया। रविवार को पीएम मोदी के साथ 71 मंत्रियों ने शपथ ली। इनमें 30 कैबिनेट मिनिस्टर और 5 स्वतंत्र प्रभार मंत्री और 36 राज्य मंत्री हैं। शपथ के बाद अब मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ के एक मात्र केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू को आवास एवं शहरी विकास विभाग का राज्यमंत्री बनाया गया है।

मोदी केबिनेट में अमित शाह को फिर एक बार गृहमंत्री बनाया गया है। नागपुर के सांसद नितिन गड़करी को लगातार तीसरी बार सड़क परिवहन मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं राजनाथ सिंह को फिर से रक्षामंत्री बनाया गया। इसके अलावा एस जयशंकर को भी दोबारा विदेश मंत्रालय की बागडोर थमाई गई है। इसी प्रकार शिवराज सिंह को कृषि व पंचायती राज मंत्रालय का जिम्मा दिया गया है। मनोहर लाल खट्टर को ऊर्जा विभाग दिया गया है।

सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ देने के लिए अजय टम्टा और हर्ष मल्होत्रा को सड़क परिवहन राज्य मंत्री बनाया गया है।

इसके अलावा निर्मला सीता रमन को वित्तमंत्रालय का जिम्मा दिया गया है। अश्विनी वैष्णव को रेलमंत्री के अलावा सूचना प्रसारण मंत्री बनाया गया है। धर्मेन्द्र प्रधान को शिक्षा मंत्री बनाया गया है। गजेन्द्र शेखावत को संस्कति एवं पर्यटन मंत्री बनाया गया है। पियूष गोयल को वाणिज्य मंत्री बनाया गया है।

नई सरकार की पहली कैबिनेट में पहला फैसला

तीन करोड़ अतिरिक्त परिवारों को पीएमएवाई के तहत मदद

श्रमबिन्दु / नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक में आज तीन करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण और शहरी परिवारों को घर बनाने के लिए मदद प्रदान करने का फैसला लिया गया। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) साल 2015-16 से लागू है, ताकि बुनियादी सुविधाओं के साथ घरों के निर्माण के लिए पात्र ग्रामीण और शहरी परिवारों को मदद प्रदान की जा सके। बीते दस वर्षों में पीएमएवाई के तहत गरीब परिवारों के लिए कुल 4.21 करोड़ घर बनाए गए हैं।

पीएमएवाई के तहत बने सभी घरों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार की अन्य योजनाओं के साथ तालमेल के जरिए शौचालय, एलपीजी कनेक्शन, बिजली कनेक्शन आदि जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।पात्र परिवारों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तीन करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण और शहरी परिवारों को घर बनाने के लिए मदद प्रदान करने का फैसला लिया है।

नीट रिजल्ट पर बोले विधायक देवेन्द्र : अभ्यर्थियों को मिले न्याय, सीबीआई जांच की मांग

श्रमबिन्दु / भिलाई

विधायक देवेंद्र यादव ने नीट - 2024 में पेपर लीक एवं परिणाम से संबंधित अभ्यर्थियों की शिकायतों का निराकरण कर जल्द से जल्द न्याय दिलाने के लिए केन्द्र सरकार से सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। अभ्यर्थियों के शिकायतों से संबंधित विषय को लेकर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल को पत्र लिखा है और मुलाकात के लिए उनसे समय भी मांगा है।

विधायक देवेन्द्र ने कहा कि नीट का विषय देश के लाखों छात्र- छात्राओं के वर्षों की मेहनत. सपने और उनके भविष्य से जुड़ा है। इस वजह से अभ्यर्थियों के साथ उनके पालक भी चितिंत है। अभ्यर्थियों ने एनटीए द्वारा ली गई नीट की परीक्षा एवं परिणाम से संबंधित शिकायतों का निराकरण नहीं किए जाने पर कई सवाल उठाए है, लेकिन जवाब संतोषजनक नहीं है। परिणाम जारी करने के बाद हर दिन एक नए तथ्य सामने आ रही है। इससे अभ्यर्थियों के मन में गड़बड़ी की आशंका गहराई गहराती जा रही है। अब तक जो तथ्य सामने आई है उससे प्रतिस्पर्धी परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर सवाल खड़े हो गई है।

विधायक ने कहा कि एनटीए द्वारा जारी परिणाम के अनुसार एक ही परीक्षा केंद्र के 8 स्टुडेंट्स में से 6 अभ्यर्थियों ने 720 अंक हासिल किया है। मेरिट लिस्ट में 8 स्टूडेंटस के रोल नंबर एक ही सीरीज के है। जिन्हें ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त हुआ है। ऐसा पहली बार हुआ है कि 67 अभ्यर्थियों ने 100त्न अंक हासिल किया है। जो संदेहास्पद लग रहा है। एनटीए द्वारा जारी परिणाम में परीक्षार्थियों को दशमलव में अंक प्राप्त हुआ है। जबकि इस तरह का अंक देने के कोई नार्मल लाइजेशन सार्वजनिक नहीं किया गया है । स्टूडेंटस को दिए गए ग्रेस मार्क पर कई शैक्षणिक संस्थाओं ने भी सवाल उठाए हैं।

नीट की परीक्षा में कुल 180 प्रश्नों के लिए 720 अंक निर्धारित है।इनमें से एक प्रश्न चार अंको का होता है। सभी प्रश्नों को सही हल करने पर 720 अंक मिलना चाहिए तथा एक प्रश्न छोड़ने पर 716 अंक मिलना चाहिए। एक प्रश्न का उत्तर गलत होने पर 715 अंक मिलना चाहिए था,.लेकिन यहां पर अभ्यर्थियों को 720 में से 719 अंक मिले हैं। जो की प्रश्न पत्रों के निर्देश अनुसार न्याय संगत नहीं लग रहा है। टाइम लास के विषय में अभ्यर्थियों को ग्रेस मार्क देने का क्या फार्मूला रहा, किस आधार पर नंबर दिया गया है? नोटिफिकेशन में ग्रेस मार्क्स का उल्लेख नहीं है।

छत्तीसगढ़ के बालोद दंतेवाड़ा समेत अन्य एग्जाम सेंटर पर गलत पेपर वितरण से अभ्यर्थियों का जो टाइम लास हुआ है। उसकी शिकायत की गई थी। उनकी शिकायतों का निराकरण किए बगैर परिणाम जारी कर दिया गया। किस आधार पर उन्हें ग्रेस मार्क दिए गए हैं? यह अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

राज्य की भाजपा सरकार की लापरवाही से जल उठा बलौदाबाजार: दीपक बैज

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

जगदलपुर। बलौदा बाजार की घटना से बस्तर के आदिवासी नेता एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज बुरी तरह मर्माहत हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना को दुर्भाग्यजनक बताते हुए इसके लिए राज्य की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया है।

सहृदय युवा आदिवासी नेता एवं पीसीसी चीफदीपक बैज ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा है कि बलौदा बाजार की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। मै लोगो से शांति बनाए रखने का आग्रह करता हूं। सरकार की लापरवाही से यह अप्रिय स्थित निर्मित हुई है। पंद्रह दिनों पहले असामाजिक तत्वों द्वारा पवित्र जैतखाम को नुकसान पहुंचाने के मामले मे त्वरित कठोर कार्रवाई की गई होती तो शायद यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना नहीं होती। दीपक बैज ने लोगों से संयम और शांति बनाए रखने तथा क़ानून को हाथ मे न लेने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि सभ्य समाज मे हिंसा हरगिज बर्दाश्त नहीं की जा सकती। बाबा साहेब के बनाए क़ानून पर भरोसा रखें। दरअसल बलौदाबाजार में सतनामी समुदाय के प्रदर्शन के दौरान सोमवार को जमकर बवाल हो गया। लोगों ने कलेक्ट्रेट में खड़ी अधिकारियों की गाड़ियों में तोड़फोड़ की, बल्कि कलेक्ट्रेट, तहसील और जिला पंचायत कार्यालय में भी आग लगा दी।प्रदर्शनकारियों ने पथराव भी किया। वहीं प्रदर्शनकारियों को रोकने में पुलिस नाकाम रही। सतनामी समाज के करीब चार हजार लोग पहुंचे थे। हालात लगातार बिगड़ने पर राजधानी से भी बड़ी संख्या में फोर्स मौके पर भेजी गई है।

दुबके रहे पुलिसकर्मी पथराव के दौरान पुलिसकर्मी जान बचाने कार्यालयों में छिपे रहे। बताया जा रहा है कि भीड़ उग्र हो रही थी, लेकिन लाठीचार्ज के आदेश नहीं मिले। इसके चलते पुलिसकर्मियों को वहां से भागना पड़ा। प्रदर्शनकारी इमारतों पर चढ़ गए और जमकर उत्पात मचाया। आगजनी की खबर पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची तो दमकल गाड़ियों में तोड़फोड़ करते हुए कई गाड़ियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

हालात बिगड़ने की वजह

पुलिस ने जैतखाम को नुकसान पहुंचाने के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। सतनामी समाज के लोगों का आरोप है कि पकड़े गए लोग असली आरोपी नहीं हैं। समाज के लोग स्थानीय पुलिस पर असली दोषियों को बचाने का आरोप लगा रहे हैं। बताया जा रहा है कि सोमवार को प्रदर्शन के दौरान लोग इसी बात को लेकर आक्रोशित हो गए और हालात बिगड़ते चले गए। जैतखाम सतनामी पंथ का ध्वज स्तंभ और संप्रदाय की आस्था का सबसे बड़ा प्रतीक है। आमतौर पर सतनाम समुदाय के लोग मोहल्ले या गांव में किसी चबूतरे या प्रमुख स्थल पर खंभे में सफेद झंडा लगाते हैं।

शर्मा ने की थी शांति की अपील

एक दिन पहले ही रविवार को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जैतखाम में हुई तोड़फोड़ मामले की न्यायिक जांच कराने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि प्रदेश में कही भी सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे कृत्य करने वाले दोषियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी से सामाजिक सौहार्द्र बनाए रखने की अपील भी की थी।वहीं तीन दिन पहले ही बलौदाबाजार कलेक्टर केएल चौहान और एसएसपी सदानंद कुमार ने शांति समिति की बैठक ली थी। इसमें सभी समाज के लोग और प्रमुख शामिल हुए थे।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल का निर्देश

लापरवाही करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

श्रमबिन्दु / रायपुर

सरगुजा जिले के विकासखण्ड अंबिकापुर अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नवानगर में प्रसूता द्वारा जमीन पर प्रसव किए जाने की घटना संज्ञान में आते ही स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने घटना की जांच के निर्देश दिए थे। मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच करवाई गई।

जांच के दौरान बीएमओ, संस्था प्रभारी, बीपीएम, स्टॉफ नर्स, एएनएम एवं स्थानीय मितानिन उपस्थित रहे। जांच के तहत सभी के समक्ष उक्त प्रकरण के बारे में बयान लिया गया, तथा जच्चा-बच्चा प्रसूता महिला एवं नवजात बच्चों को देखा गया। प्रसव को लेकर प्रोटोकॉल का पालन नही करने वाले खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ पी.एन. राजवाड़े को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया।रात्रिकालिन स्टॉफ द्वितीय एएनएम श्रीमती मीना चौहान को तत्काल प्रभाव से हटाकर आयुष्मान मंदिर रेवापुर में कार्यादेशित किया गया। डयूटी में पदस्थ स्टॉफनर्स बिना पूर्व सूचना के स्टॉफनर्स कन्या पैंकरा कार्य में अनुपस्थित थी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया, निलंबन अवधि में संबंधित का मुख्यालय शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नवापारा किया गया। निलबंन अवधि में संबंधित को जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने विभाग के अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं की भविष्य में भी ऐसी गंभीर लापरवाही करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए और मरीजों के मानवीय पहलुओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

[खास खबर]

हरिश साहू बने राष्ट्रीय मानवाधिकार एवम सामाजिक न्याय आयोग के प्रदेश सचिव

श्रमबिन्दु / रायपुर

ग्राम तुस्मा निवासी हरिश साहू पेशे से ट्रेनिंग ऑफिसर है। साथ ही एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप मे भी काफी सक्रिय रहते हैं। उनकी सक्रियता को ही देखते हुए एक बड़ी जिम्मेदारी राष्ट्रीय मानवाधिकार एवम सामाजिक न्याय आयोग द्वारा सौंपी गई है। उन्हें प्रदेश सचिव के पद पर 7जून को नियुक्ति पत्र दिया गया है। हरिश साहू इसके अतिरिक्त वर्तमान में ओबीसी महासभा बिलासपुर संभाग अध्यक्ष के पद पर भी बने हुए हैं। हरिश साहू जी को मिली इस जिम्मेदारी से सभी हर्षोलाहित है।

युवक के खाते से 1 लाख से अधिक रकम पार

रायपुर। अज्ञात व्यक्ति ने युवक के खाते से ऑनलाइन 1 लाख 36 हजार 499 रुपए आहरण कर लिया। प्रार्थी की शिकायत पर राखी थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी तुलेश्वर कुमार साहू 32 वर्ष उपरवारा का रहने वाला है। बताया जाता है कि अज्ञात व्यक्ति ने प्रार्थी के सेंट्रल बैंक के खाता से नेट बैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन 1 लाख 36 हजार 499 रुपए आहरण कर लिया। प्रार्थी को जब इसकी जानकारी लगी, तो उसने इसकी शिकायत राखी थाना में किया। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

युवक को पीटा

रायपुर। मठपुरैना चौक में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक ने दूसरे युवक पर नुकीली चीज से हमला कर घायल कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रोहित साहू 18 वर्ष मठपुरैना का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी चौक के तरफ घुमने गया था, तभी आरोपी अमन बंजारे ने पुरानी रंजिश को लेकर प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया और नुकीली चीज से मारकर चोट पहुंचाया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफधारा 294,323,506 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

महिला व उसके पुत्र से मारपीट

रायपुर। लोन के पैसे को लेकर दो युवकों ने एक महिला व उसके पुत्र से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थिया की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया पूनम देवी उपाध्याय 36 वर्ष हीरापुर में अपने बेटे के साथ रहती है। वहीं उसके पति का निधन हो चुका है। बताया जाता है कि प्रार्थिया के पति ने पूर्व में लोन लिया था। जिसे लेकर आरोपी अखिलेश मिश्रा व प्रशांत मिश्रा ने प्रार्थिया के घर आया और लोन नहीं पटा रहे हो कहते हुए प्रार्थिया व उसके पुत्र राजकुमार से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थिया की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294,323,506,34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सरेआम शराब पीते 24 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 24 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार खम्हारडीह पुलिस ने कचना रोड में सरेआम शराब पीते आरोपी अनील महानंद 32 वर्ष व प्रदीप साहू 30 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं टिकरापारा पुलिस ने आरोपी आस्कर पैकरा 30 वर्ष, प्रदीप कुमार 24 वर्ष व वैभव खलको 37 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं देवेन्द्र नगर पुलिस ने आरोपी हरीपाल बाग 45 वर्ष, अंस नायक 50 वर्ष, संजय नायक 45 वर्ष, नेहरू बघेल 50 वर्ष, मोहित साहू 30 वर्ष व अर्जुन ताण्डी 26 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी उदय सिंह 48 वर्ष व लोकेश महानंद 44 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह खमतराई पुलिस ने आरोपी ललीत वर्मा 57 वर्ष व लोकेश निशाद 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं नवापारा थाना पुलिस ने आरोपी पवन साहू 30 वर्ष, चंदन साहू 28 वर्ष, सुंदर साहू 36 वर्ष व भूशण निषाद 27 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

8 जुआरी चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर। अभनपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम दोंदरा में 8 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से नरकदी 5300 रुपए सहित ताशपत्ती जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार कल दोपहर पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम दोंदरा में कुछ लोग काट पत्ती नामक जुआ खेल रहे है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी भानुराम साहू 57 वर्ष, युवराज निर्मलकर 38 वर्ष सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से तासपत्ती सहित नकदी 5300 रुपए जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 3,2 जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

अभी से जवाब देने लगी है मेसर्स अरोड़ा कंस्ट्रक्शन की बनाई किंजौली - राजनगर पक्की सड़क

दरारों और गड्ढों से भरी नजर आ रही है यह सड़क, निर्माण में बरती गई है जमकर अनियमितता

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

बकावंड। ब्लॉक मुख्यालय बकावंड से पहुंच मार्ग राजनगर रोड से किंजौली पांच चौक तक घटिया डामर रोड का निर्माण कराया गया है। कुछ माह पहले बनी इस पक्की सड़क पर दरारें पड़ गई हैं और गड्ढे हो गए हैं। पटरियों पर बहुत कम मुरुम मिट्टी डाली गई थी और उसे रोलर से दबाया भी नहीं गया था। अब पटरियों पर मुरुम नजर ही नहीं आ रही है।

इस सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा अरोड़ा कंस्ट्रक्शन के माध्यम से कराया गया है। यह ठेका फर्म निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की अनदेखी और सार्वजनिक एवं सरकारी जगहों से गौण खनिज का अवैध खनन कर उसका इस्तेमाल सड़क निर्माण में करने के लिए बेहद चर्चित है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी मेसर्स अरोड़ा कंस्ट्रक्शन पर कुछ ज्यादा ही मेहरबान हैं। यही वजह है कि उसके कराए गए निर्माण कार्यों की खामियों को नजर अंदाज कर दिया जाता है और बाद में इसका खामियाजा संबंधित क्षेत्र के ग्रामीणों को भुगतना पड़ता है। कुछ ?सी ही कारगुजारी मेसर्स अरोड़ा कंस्ट्रक्शन ने राजनगर से किंजौली तक डामरीकृत मार्ग के निर्माण में भी की है। हाल ही में बनकर तैयार हुई यह सड़क अभी से जवाब देने लगी है। सड़क पर जगह जगह गड्ढे और दरारें नजर आने लगी हैं। रोड के दोनों किनारों से मुरुम की पटरियां अस्तित्व हीन हो चुकी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुरानी सड़क पर गिट्टी मुरुम का ढंग से भराव नहीं किया गया और न ही उसे रोड रोलर के जरिए अच्छे से दबाया गया। डामर रोड की बुनियाद ही कमजोर रखी गई थी और उस पर मिक्स तारकोल की बहुत ही पतली परत बिछा दी गई। वहीं पटरियों को भी दबाया नहीं गया था। इसी के चलते यह पक्की सड़क अभी से उखड़ने लगी है। अरोड़ा कंस्ट्रक्शन द्वारा कराए गए रोड चौड़ीकरण और पुलिया निर्माण के दौरान बड़ी दुर्घटना भी हो चुकी है। इसे लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने ऐसे लापरवाह ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और उनके टेंडर को रद्द करने की मांग की है।

नक्सलियों की घर वापसी की पहल 'लोन वर्राटू' ने दंतेवाड़ा जिले में मचाई धूम, फिर तीन नक्सली लौटे राह पर

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

एक महिला समेत तीन नक्सलियों का समर्पण

अब तक 820 नक्सली कर चुके आत्मसमर्पण

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों में नक्सलियों और उनके सहयोगी ग्रामीणों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए अलग अलग नामों से चलाई जा रही विशेष मुहिम व्यापक असर दिखा रही है।

मुहिम और राज्य सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर रोज बड़ी संख्या में नक्सली आत्म समर्पण कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज फिर दंतेवाड़ा जिले में एक महिला नक्सली समेत तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। दंतेवाड़ा जिले में इस वर्ष अब तक 820 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

दंतेवाड़ा जिले में चलाए जा रहे अभियान 'लोन वर्राटू' घर वापस आईए तथा छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति के तहत विगत कुछ माह में जिला पुलिस बल और सीआरपीएफ द्वारा भटके हुए माओवादियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार संपर्क एवं संवाद किया जा रहा है। साथ ही शासन की नक्सल पुनर्वास नीति का व्यापक प्रचार-प्रसार गांव गांव में किया जा रहा है। इसके सकारात्मक और उत्साह जनक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। बड़ी संख्या में माओवादी कैडर का आत्मसमर्पण हो रहा है। बाहरी और कुछ पुराने स्थानीय नक्सलियों के अमानवीय, आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा स्थानीय आदिवासियों पर की जाने वाली हिंसा से तंग आकर नक्सलवाद की ओर भटके युवा अब समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का संकल्प लेकर आगे आ रहे हैं।

इन्होंने किया समर्पण

गंगालूर, भैरमगढ़ एवं कटेकल्याण एरिया कमेटी के प्रतिबंधित संगठन में मनकेली, पेद्दाकोरमा पंचायत जनमिलिशिया सदस्य संजय बारसे, कुन्ना पंचायत कमेटी सदस्य सुकड़ा मड़कामी, ग्राम फुलगट्टा संघम सदस्या रीना कोरसा ने आज 10 जून को डीआरजी कार्यालय दंतेवाड़ा में आत्मसमर्पण किया।

पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा ने इन आत्मसमर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास योजना के तहत 25- 25 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि दी एवं पुनर्वास योजना के तहत मिलने वाले सभी प्रकार के लाभ प्रदान कराने की बात कही। लोन वर्राटू अभियान के तहत् अब तक 180 ईनामी नक्सलियों सहित कुल 820 नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ चुके हैं।

दो साल में पीएटी व पीवीटी के ढाई हजार परीक्षार्थी घटे

श्रमबिन्दु / कोरबा

कृषि संकाय बंद होने के कारण प्रीएग्रीकल्चर व प्री-वेटनरी टेस्ट यानि कृषि व पशुधन चिकित्सा प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की संख्या भी घटने लगी है। दो साल पहले पीएटी परीक्षा शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की तादात 4000 थी, वह घट कर डेढ़ हजार से भी कम हो गई है। रविवार को व्यापम ने पीएटी की परीक्षा का आयोजन किया। परीक्षा में 1384 परीक्षार्थियों को पंजीबद्ध किया गया था, जिसमें 799 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा में उपस्थित परीक्षार्थियों की तुलना में अनुपस्थितों की संख्या ज्यादा रही।

जिले को औद्योगिक जिला मानते हुए कृषि योजनाओं से वंचित किया जा रहा है। खेती व पशुधन विकास की शिक्षा विस्तार के लिए वर्ष 2008 में जिले के 10 स्कूलों में कृषि संकाय की शुरूवात की गई थी। जिन स्कूलों में संकाय संचालित थी उनमें कटघोरा, छुरी, पाली, कटघोरा, पोड़ी उपरोड़ा आदि स्कूल शामिल थे। वर्तमान में केवल दो ही सरकारी स्कूल करतला व भैसमा में ही कृषि संकाय का संचालन हो रहा है। हालिया स्थिति यह है कि कोरबा, कटघोरा पाली, पोड़ी उपरोड़ा के छात्र- छात्राओं को कृषि संकाय पढ़ना हो तो उन्हे करतला या भैसमा जाना पड़ रहा। कृषि में रोजगार की वृहत संभावना होने के बाद भी संकाय को बंद किया जाना विडंबना साबित हो रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी तामेश्वर उपाध्याय का कहना है कि जिन विद्यालयों कामर्स संकाय की आवश्यकता है वहां प्राचार्य आवेदन कर सकते हैं। कृषि संकाय के लिए भी शिक्षकों की सुविधा दी जाएगी। बताना होगा कि रविवार को आयोजित पीएटी व पीवीटी परीक्षा के लिए चार केंद्र बनाए गए थे। निर्धारित केंद्रों में पंजीबद्ध 1384 परीक्षार्थी में 585 अनुपस्थित रहे।

बीजापुर जिले के उसूर और नैमेड़ थाना क्षेत्र गिरफ्तार किए गए 9 नक्सली

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

बस्तर संभाग के बीजापुर जिले में चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के दौरान थाना उसूर और कोबरा 205 बटालियन, सीआरपीएफ196वीं बटालियन की संयुक्त कार्यवाही में अलग- अलग स्थान से 8 मिलिशिया सदस्यों को पकड़ा गया है। पकड़े गए नक्सली 25 मई की दरम्यानी रात उसूर- आवापल्ली के मध्य जगह-जगह सड़क खोदकर मार्ग अवरूद्ध करने एवं रोड किनारे बंद के आह्वान के पर्चे, शासन विरोधी पाम्पलेट, बैनर लगाने की घटना में शामिल थे। सुरक्षा बलों ने सुबह तत्परता दिखाते हुए नक्सलियों द्वारा खोदे गए गड्ढों को भरकर आवागमन बहाल कराया था। डीआरजी बीजापुर एवं थाना नैमेड़ की कार्रवाई में पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने एवं हमले की घटना में शामिल एक मिलिशिया सदस्य को कडेर से पकड़ा गया।

ये हैं पकड़े गए नक्सली

पकड़े गए नक्सलियों में सोना कुंजाम संघम सदस्य, अंदा कड़ती आरपीसी मिलिशिया सदस्य, मंगू मड़काम आरपीसी मिलिशिया सदस्य, संतोष कड़ती आरपीसी मिलिशिया सदस्य, सोना मुचाकी आरपीसी मिलिशिया सदस्य, हड़मा कड़ती संघम सदस्य, सुरेश मड़काम ऊर्फ लंबू डीएकेएमएस सदस्य, देवेन्द्र मुचाकी भूमकाल मिलिशिया सदस्य, अवलम आयतू मिलिशिया सदस्य शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने कुल 9 मिलिशिया सदस्यों को पकड़ा है। ये लोग रोड काटने, आईईडी लगाने एवं पाम्पलेट, बैनर लगाने की घटना में शामिल रहे है और नक्सल संगठन में 10-15 सालो से सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। पकड़े गए नक्सलियों के खिलाफ थाना उसूर एवं नैमेड़ में वैधानिक कार्रवाई की प्रक्रिया पूरी कर सभी को न्यायालय में पेश किया गया है।

गवर्नमेंट हाई स्कूल के पूर्व छात्रों ने 45 साल पुरानी दोस्ती का जश्न मनाया, पुरानी यादों में हुए भावुक

श्रमबिन्दु / रायपुर

राजधानी स्थित गवर्नमेंट स्कूल के 1978ङ्क79 बैच के छात्रों ने 9 जून की शाम होटल एम्बेसडर में मिलकर अपनी 45 साल पुरानी दोस्ती की यादें ताजा कीं। इस मिलन समारोह में रायपुर के साथ ही दुर्ग और धमतरी के भी पूर्व छात्र सपरिवार शामिल हुए।

रायपुर के गवर्नमेंट स्कूल, जिसे अब जयनारायण पांडेय शासकीय स्कूल के नाम से जाना जाता है, के पूर्व छात्र एक निजी होटल में मिले और वर्षों पुरानी स्मृतियों को संजोया। कई छात्र तो एक-दूसरे से 45 वर्षों के बाद मिलकर भावुक हो गए। पुराने दिन, पुरानी यादें ताजा हो गईं और हंसी-मजाक का सिलसिला चल पड़ा।

छात्रों ने अपने गुरुजनों, पुराने किस्से-कहानियों, रायपुर के पुराने स्थलों, पुरानी टाकीजों और उस जमाने की फिल्मों की यादें साझा कीं। पुराने गाने गाकर भी पुराना माहौल वापस संजोया।

इस मिलन समारोह में डॉ. दिनेश मिश्र, जुगल किशोर सिन्हा, शैलेंद्र रिछारिया, राजेंद्र पाटिल, अविनाश शुक्ला, दिलीप वर्मा, विजय श्रीवास्तव, राजेंद्र तिवारी, श्यामलाल रावत, योगेश भावे, राजेश पांडे, निर्मल प्रजापति, मोहम्मद शकील, अनूप बाजपेयी, अरुण सक्सेना, गिरधारी अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, अप्पा राव, और सुनील गवाई सहित कई पारिवारिक सदस्य उपस्थित रहे।

शैलेन्द्र रिछारिया और राजेंद्र पाटिल के विशेष प्रयासों से 45 वर्ष पुराने अधिकांश साथियों को एकत्रित किया गया। सबसे पहले सभी दोस्तों और उनके बच्चों ने अपना परिचय दिया।

तत्पश्चात, शैलेन्द्र रिछारिया, राजेंद्र तिवारी, योगेश भावे, अप्पा राव, राजेश पांडे, अविनाश शुक्ल, दिलीप वर्मा, श्रीमती भावे और इकबाल की पुत्री औरिन फातिमा ने बेहतरीन संगीत की प्रस्तुतियां दीं। श्रीमती कल्पना सिन्हा ने छत्तीसगढ़ी प्रहसन प्रस्तुत किया, और अविनाश शुक्ल ने स्कूल के दिनों के पुराने संस्मरणों को याद कर सभी को ठहाके लगाने पर मजबूर किया।

श्यामलाल यादव की पुत्री योगिता रावत ने बेहतरीन मंच संचालन किया, और जुगल किशोर सिन्हा की पुत्री शुभ्रा ने यादगार लम्हों को कैमरे में कैद कर आयोजन को सफल बनाया। उपस्थित बच्चों ने अपने परिजनों की इस 45 वर्ष पुरानी दोस्ती से प्रेरणा लेकर अपनी दोस्ती को भी इसी तरह अविस्मरणीय बनाने का वादा किया।

मलेरिया मुक्त अभियान का 10वां चरण का हुआ शुभारंभ

श्रमबिन्दु / दंतेवाड़ा

दंतेवाड़ा जिले में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के 10वां चरण का शुभारंभ 10 जून 2024 को ग्राम पंचायत भोगाम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रामु राम नेताम, मोहन ठाकुर के द्वारा किया गया। अभियान के तहत 10 जून से 5 जुलाई तक दंतेवाड़ा जिले के सभी विकास खंडो में विशेष मलेरिया मुक्त अभियान चलाया जाएगा।

इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग की ओर से अपील की गई है कि बुखार से संबंधित कोई भी शिकायत होने पर तुरंत निकट के स्वास्थ्य केन्द्र में जांच करवाएं एवं मलेरिया व डेंगू की रोकथाम तथा इससे बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग करें। इसके अलावा घरों के आस-पास साफ-सफाई रखने, डेंगू तथा मलेरिया के मच्छरों की उत्पत्ति के कारक जैसे कूलर व पानी की खुली टंकियों की नियमित सफाई करने, फ्टे-पुराने टायर-ट्यूब, टूटे-फूटे मटके, बाल्टी, टीन एवं प्लास्टिक एवं कबाड़ के डिब्बे, घर के सजावटी गमलों, मनी प्लांट के पौट, फ्रीज के नीचे ट्रे जैसे सामानों पर पानी जमा न होने, प्रति दिन रात को सोते समय मच्छरदानी उपयोग करने की भी समझाईश दी गई है।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.मंडल, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ विजय कर्मा, डॉ प्रियंका सक्सेना, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक जीवन नाग, बी.इ.टी.ओ बाल सिंह नेताम, राज देवांगन, सी पी पांडेय, भूपेंद्र साहू एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन मौजूद थे।

खास खबर

प्रमोद साहू बने माँ कल्याणी शीतला समिति के प्रवक्ता

श्रमबिन्दु / भिलाई

माँ कल्याणी शीतला समिति की ओर से प्रमोद साहू को उपकोषाध्यक्ष एवं प्रवक्ता मनोनीत किया गया है। उनके मनोनयन पर माँ कल्याणी शीतला समिति के पदाधिकारीगण एवं सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया है।

चाकू लेकर घूमता युवक गिरफ्तार

रायपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के दिशा निर्देशन पर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम दौलत राम पोर्ते अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन लाल पटले के मार्गदरशन तथा नगर पुलिस अधीक्षक राजेश देवांगन के पर्यवेक्षण में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु चाकुबाजो व अड्डेबाजो के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पुरानी बस्ती पुलिस के कार्य से अवैध रुप से चाकू रखे चाकूबाज को गिरफ्तार करने में सफ्लता प्राप्त हुई।

विवरण इस प्रकार है मुखबिर से सूचना मिला की महामाई पारा महाराजबंध तालाब के पास चौक में एक लड़का जो छिटदार सफेद रंग का शर्ट पहना है दाढ़ी मूछ वाला है अपने पास धारदार चाकू रखकर संदिग्ध हालत में घूम रहा है और आने जाने वाले लोगो को डरा धमका रहा है कि मुखबिर की सूचना पर तत्काल कोई गंभीर अपराध की घटना घटित न हो की आशंका पर घटना स्थल पर रवाना हुआ उक्त आरोपी को पकड़कर तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से अवैध रूप से धार दार नोकदार चाकू रखे मिला आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 249/2024 धारा 25 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर आरोपी अश्वनी यदि उर्फ सोनू पिता राम सजीवन सोनू उम्र 28 वर्ष सकिन महामाई पारा बजरंगबली मंदिर के पास थाना पुरानी बस्ती जिला रायपुर छत्तीसगढ़ को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

रायपुर पुलिस का निजात कार्यक्रम जारी

रायपुर। रायपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के दिशा निर्देश पर पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्यवाही व जागरूकता अभियान, निजात अभियान शुरू किया गया है जिसमें नशे के खिलाफ निजात अभियान चलाकर शहर में बैनर पोस्टर एवं कार्यक्रम आयोजित कर लोगो को न केवल जागरूक किया जा रहा है, अपितु नशे के अवैध कारोबारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है, साथ ही नशे के गिरफ्त में आए लोगो की काउंसलिंग कर उनको नशे से निजात दिलाया जा रहा है।

खेती के लिए मिट्टी की गुणवत्ता का बेहतर होना जरूरी

कोरबा । खेतों की उर्वरा शक्ति कैसी है, यह पता चलता है मिट्टी की गुणवत्ता से। कृषि विभाग की प्रयोगशाला इस काम को कर रही है। अब तक यहां 400 नमूनों की जांच की जा चुकी हैफ्सलों की अच्छी मात्रा के लिए खेतों की मिट्टी की गुणवत्ता मायने रखती है। खेतों में कमी को कैसे दूर किया जाए, इसकी भी तकनीक है। कृषि अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष हमे 8000 मिट्टी के नमूनों की जांच करना है। अब तक 400 कि जांच हुई है।

अलग अलग कारणों से खेतों की पैदावार पर असर पड़ता है। प्रदूषण या अन्य कारण बंजर जमीन की कमियां दूर करने के उपाय उपलब्ध है। हम किसानों को इसकी जानकारी देते है। याद रखना होगा कि सरकार ने मिट्टी परीक्षण का कार्य निशुल्क रखा है।

नगर निगम कोरबा में सौंदर्यीकरण का हाल ऐसा, जैसे आगे पाठ और पीछे सपाट.....

श्रमबिन्दु / कोरबा

नगर निगम कोरबा में सौंदर्यकरण के नाम पर एक बड़ी राशि हर साल खर्च की जा रही है। नगर निगम के बैठकों में आए प्रस्तावों पर मुहर लगाते हुए जगह चयन कर सौंदर्यीकरण का कार्य जरूर किया जाता है लेकिन एक समय के बाद इस पर ग्रहण लगा दी जाती है जिसके कारण इस कार्य में बहाई गई सारी राशि महज एक भ्रष्टाचार का चढ़ता हुआ भेंट नजर आ रहा है जिसकी बानगी भी देखने को मिल रही है।

ताजा मामला कोरबा नगर निगम अप्पू गार्डन के सामने का है जहां गार्डन के सामने सड़क किनारे बना सौंदर्यीकरण का हाल है। यहां आप देख सकते हैं कि किस तरह से सौंदर्यीकरण का कार्य कराया गया था जो अब खंडहर में तब्दील हो रहे हैं। आप देख सकते हैं इस जगह पर एक खूबसूरत वॉटर फॉलिंग की तरह चट्टानों से घिरा हुआ सुसज्जित पहाड़ नुमा आकृति बनाई गई है जिसके ऊपर बड़ा शंख भी लगाया गया है जिसमें निर्माण के पश्चात रंग-बिरंगे रौशनियों के साथ वॉटर फॉलिंग होती थी जिसकी सुंदरता लोगों को आकर्षित भी करती थी।

लोग इस जगह पर जाकर फ़ोटो भी खींचते थे। लेकिन नगर वासियों का दुर्भगाय है कि यह पिछले तीन सालों से यह बंद पड़ी हुई है और अब खंडहर में तब्दील होने लगी है। इस दृश्य को देखकर ऐसा लग रहा है मानो सौंदर्यीकरण कराकर जिम्मेदार विभाग जानकर अंजान बना हुआ हैं। इस दृश्य को देखकर एक कहावत याद आती है आगे पाठ - पीछे सपाट।

ठीक इसके बाजू में रंग बिरंगी लाइटिंग वाली कोरबा का बोर्ड लगा हुआ था जो कि पूरी तरह से टूट चुका है। इसका भी रखरखाव नहीं किया जा रहा है। ऐसे में पूर्व में सौंदर्यीकरण के नाम पर किए गए खर्च को आखिर क्या माना जाए जिसके लिए नगर निगम भी जानकर अनजान बना हुआ है।

यही नहीं नगर निगम कोरबा में मेयर से लेकर पार्षद की सीट बदलते ही पूर्व में कराए गए कार्यों पर रुचि नहीं दिखाना अब चलन जैसा हो गया है, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। नगर निगम अंतर्गत कराए गए सभी कार्य चाहे वह पूर्व समय की हो या वर्तमान समय की हो सबका रखरखाव होना जरूरी है। इसके अलावा जिस उद्देश्य से बनाया गया है उसका भी लाभ पूरे शहर वासियो को मिलनी चाहिए। लेकिन इस तरह पुराने सौंदर्यीकरण का खंडहर में तब्दील हो जाना और शहर में नए-नए सौंदर्यीकरण कार्य का होना आखिर किस बात को दर्शाता है।

इस तरह सौंदर्यीकरण के नाम पर नगर निगम कोरबा में बड़े पैमाने पर किए गए खर्च से निर्मित सभी कार्यों का जो खराब हो रहे हैं के रखरखाव को लेकर गंभीर होने की आवश्यकता है ताकि निर्माण के पूर्व दिए गए तर्क एवं उसके उपयोग का लाभ नगर वासियों को मिल सके।

वाहन चोरी के मामले में तीन दिन बीत जाने के बाद नहीं हुई कोई कार्यवाही

श्रमबिन्दु / कांकेर

कांकेर जिले में अपराधिक घटनाओं एवं वाहन चोरी के मामले में लगातार वृद्धि हो रही है ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ अब शहर के रिहायशी इलाके भी सुरक्षित नहीं रह गए हैं कांकेर जिले के हृदय स्थल आमापारा में घर के सामने से दोपहर में वाहन चोरी हो जाने का मामला सामने आया है ज्ञात हो कि कांकेर जिले के आमापारा निवासी लक्ष्मी तिवारी का वाहन शनिवार को उनके निवास स्थान के सामने से दोपहर में अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया उक्त मामले में प्रार्थी लक्ष्मी तिवारी पिताश्री जगन्नाथ तिवारी निवासी आमापारा जिला कांकेर के द्वारा कांकेर थाने में एफ्आईआर दर्ज करवाई गई जिस पर पुलिस द्वारा धारा 379 के तहत मामला दर्ज किया गया परंतु घटना के तीन दिवस बीत जाने के पश्चात भी उक्त मामले में ना तो विभाग द्वारा किसी प्रकार का कोई संज्ञान लिया गया ना ही कोई कार्यवाही की गई है.... तीन दिन बीत जाने के बाद भी विभाग द्वारा कोई कार्यवाही न करना विभाग की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़े कर रहा है ना ही इस मामले में सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए ना ही अपराधियों के बारे में कोई पतासाजी की गई है जिले में लगातार बढ़ रहे अपराधी घटनाओं से जनता के बीच असुरक्षा का माहौल उत्पन्न हो रहा है वाहन चोरी के मामले में फिर दर्ज होने के पश्चात भी किसी भी प्रकार से कोई कार्यवाही न होने पर अब इस मामले की लिखित शिकायत कांकेर पुलिस अधीक्षक से की जाने की बात प्रार्थी के द्वारा कही गई है

भोथीपार मैं कबड्डी प्रतियोगिता समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद प्रतिनिधि थानसिंह मंडावी ने किया उदघाटन

श्रमबिन्दु / पाटन

ग्राम भोथीपार मैं जय हिन्द स्पोर्ट्स क्लब के तत्वधान में एक दिवसीय डे नाईट छ. ग. राज्य कबड्डी प्रतियोगिता उदघाटन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद प्रतिनिधि एवम् मण्डल महामंत्री थानसिंह मंडावी थे, अध्यक्षता सरपंच जनक बाई साहू ने किया, विशेष अतिथि सरपंच पेंडरी खिलेन्द्र साहू, ग्रामीण साहू समाज अध्यक्ष नेतराम साहू, ग्राम विकास समिति कोषाध्यक्ष गुमान सिंह मंडावी, ग्राम वि. समिती सचिव बी. आर. सिंघाड़े, हासेंद्र पूरी गोस्वामी संचालक फाग मंडली, उपसरपंच सावंत राम साहू, वरिष्ठ नागरिक राम सिंह साहू, पूर्व उपसरपंच माखन लाल मंडावी, समाज सेवक बृज लाल साहू महेश महिलवार थे। अतिथियो ने खेल मैदान में पूजा अर्चना कर फीता काट कर उदघाटन किया। पूर्व सांसद प्रतिनिधि मंडावी ने कहा कि खेल मनुष्य के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है, खेलो के खेल से हमारी शारीरिक, मानसिक और सामाजिक सेहत मैं सुधार होता है इसलिए खेल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनना चाहिए। प्रथम पुरस्कार 6001रुपया एवम् स्मृति चिन्ह भव्यांश मंडावी द्वारा, दूसरा पुरस्कार 4001रुपया एवम् स्मृति चिन्ह ललित चंद्राकर पिनकापार द्वारा, तीसरा पुरस्कार 3001रुपया एवम् स्मृति चिन्ह थानसिंह मंडावी द्वारा, चतुर्थ पुरस्कार 2001रुपए एवम् स्मृति चिन्ह विजय साहू मुंडेरा द्वारा,कार्य क्रम के संचालन महेन्द्र मंडावी एवम् गोपी राम साहू ने किया, इस अवसर पर लेख राम साहू, पोषण साहू, वेदप्रकाश मंडावी केशलता साहू, चेतन मंडावी, बैशाखू राम साहू, केशव राम, , निर्णायक अजय साहू, मोनू नेताम, हेमू साहू थे, जयहिंद स्पोर्ट्स क्लब के कुणाल दीवान, युवराज चंद्रवंशी, सौम्या मंडावी, वासु मंडावी, शंकर साहू, जग्गू ठाकुर, चिंटू मंडावी, जितेन्द्र यादव सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

डॉ आंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक

श्रमबिन्दु / भिलाई

डॉ अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी छत्तीसगढ़ के उपाध्यक्ष सुनील रामटेक ने जानकारी दी की संस्था की प्रबंधकर्णी की राज्य स्तरीय बैठक फेडरेशन भवन सेक्टर 4 में संस्था के अध्यक्ष दिलीप वासनिकर पूर्व आईएएस एवं वर्तमान जांच आयोग के आयुक्त के अध्यक्षता में हुई सर्वप्रथम संस्था के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष महादेव करे।

इस व सचिव छग शासन उपाध्यक्ष के एवं कांदे अध्यक्ष अपेक्स बैंक सहित सभी पदाधिकारी द्वारा बाबा साहेब के विशाल छायाचित्र पर हिमालय पर एवं पुष्प अर्पित किया गया संस्था के उपाध्यक्ष एवं वर्तमान नवनिर्वाचित पीएसयू एससी एसटी फेडरेशन के अध्यक्ष श्री सुनील रामटेक ने उद्घाटन भाषण में संस्था की गतिविधियों एवं उद्देश्य को अवगत कारण अध्यक्षता कर रहे संस्था के अध्यक्ष माननीय दिलीप वासनिकर ने संस्था द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी एवं कहां की संस्था शीघ्र ही राजधानी रायपुर में भूमि आवंटन कर दी जावेगी साथ ही भलाई में भी जरूरतमंद छात्र-छात्राओं हेतु निशुल्क कोचिंग प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया सर्वमान्य महादेव कावरे कि पांडे हेमराज कुतरे सचिव छत शासन कमलेश बांसोड़ उपसचिव अशोक धावडे समाजसेवी एवं आर्किटेक्ट के आर ओके डीएफ्ओ किन रंगने अरविंद रामटेक श्रीमती नेहा वासनिकर ने संस्था के कार्य कल्याणकारियों को आगे बढ़ाने के लिए अपने-अपने विचार प्रकट किया।

इस अवसर पर सर्व श्री महेंद्र बागडे रमेश यूके मेश्राम बलराम कोलते रामकेश ऋषिकांत पंकज सहितप्रदेश भर से आए दर्जनों प्रतिनिधियों ने भाग लिया कार्यक्रम का संचालन सुभाष चंद्र मेश्राम ने किया एवं आभार प्रदर्शन श्री सुनील रामटेक ने किया

मोदी जी के तीसरी बार प्रधानमंत्री शपथ लेने पर कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी नारे लगाकर पटाखे फोड़खुशी मनाई

श्रमबिन्दु / भिलाई

भाजपा समर्थक मंच द्वारा भारत के प्रधान सेवक मालिनी नरेंद्र मोदी जी को 18 वीं लोकसभा के गठन पर राष्ट्रपति द्वारा लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाए जाने पर भाजपा समर्थक मंच छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज ठाकरे राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष भरत जी राव की उपस्थिति में 9 में को शपथ ग्रहण समारोह के दौरान सेक्टर 6 मार्केट हनुमान मंदिर मैं पूजा अर्चना आरती कर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता को प्रधानमंत्री बनाए जाने की खुशी की लहर के बीच संघ को ध्वनि बजाकर कार्यकर्ताओं ने आधा घंटा तक एवं पटाखे फोड़ जबरदस्त आतिशबाजी की गई

माननीय नरेंद्र मोदी जी ने जैसे ही शपथ भाजपा समर्थक मंत्र के कार्यकर्ताओं में भरी जोश देखा गया उन्होंने नरेंद्र मोदी जिंदाबाद भारत माता की जय का जय घोष कर सी मार्केट में नागरिकों को मतदाताओं को लड्डू मिष्ठान बांटा गया इस अवसर पर कार्यवाहक अध्यक्ष राहुल ने कहा तीसरी बार भले ही भारतीय जनता पार्टी के हिस्से में सिम कमाई हो लेकिन बुलंद इरादों पक्के इरादों के हमारे नेता नरेंद्र मोदी जी पूरे 5 वर्ष तक भारत के कन्याकुमारी से लेकर जम्मू कश्मीर तक विकास की धारा भेंगे इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए और माननीय नरेंद्र मोदी जी के मिशन के ही भारत विकसित भारत की ओर आगे बढ़ेगा डबल इंजन के सरकार केंद्र एवं राज्य में होने से देश के जनता का निश्चित ही भला होगा, जैसा की विजिट है बीजेपी समर्थक मंच भारतीय जनता पार्टी की एक सहयोगी संस्था है जो भाजपा के सांसद प्रत्याशी राजनांदगांव दुर्ग एवं रायपुर संतोष पांडे विजय बघेल एवं बृजमोहन अग्रवाल जी के लिए सतत उन क्षेत्रों में जाकर हवन यज्ञ के माध्यम से प्रचार किया एवं सभी तीनों लोक सभा के प्रत्याशी आज 18वीं लोकसभा के संसद के रूप में निर्वाचित हुए यह भाजपा समाज के लिए एक गर्व विषय है इस अवसर पर भाजपा की वरिष्ठ नेता राधा कृष्ण पांडे श्री कृष्णा, भानु जी राव मनोज ठाकरे प्रकाश गेडाम प्रमोद लाकुडकर, भाजपा समर्थन मंच,युवा प्रकोष्ठ जिला दुर्ग के युवा नेता रविंद्र गेडाम किशोर कंनौजे, प्रशांत क्षीरसागर, सुधाकर गेडाम, रवि सोनी शशिकांत दुबे, अंकित उपाध्याय रमन दास विकास चौबे संजय देसाई अरविंद पांडे गुलाब रो संडे शहीदों कार्यकर्ताओं में भारत के प्रधान सेवक नरेंद्र मोदी जी के द्वारा तीसरी बार प्रधानमंत्री की शपथ लेने पर बड़े उत्साह उमंग के साथ अपनी उपस्थिति दी

प्रांतीय अधिवेशन में शामिल हुए ठेठवार यादव समाज पाटन राज, समाज की रीति नीति पर हुई चर्चा

श्रमबिन्दु / पाटन

पाटन। छत्तीसगढ़ ठेठवार यादव समाज का प्रांतीय महा अधिवेशन समाज के मुख्यालय राजिम में हुआ । इस सम्मेलन में पाटन राज ठेठवार यादव समाज के पदाधिकारी तथा समाज से जुड़े लोग भी शामिल हुए । कार्यक्रम के प्रथम चरण में मुख्य अतिथि राजिम के विधायक रोहित साहू थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ठेठवार यादव समाज के प्रांतीय अध्यक्ष गुलेंद्र यादव ने की। इनके अलावा मंच पर समाज के वरिष्ठ जन भी मौजूद रहे। समाज की तरफ से सभी पदाधिकारी ने मुख्य अतिथि विधायक रोहित साहू का सम्मान किया। स्वागत भाषण देते हुए ठेठवार यादव समाज के प्रांतीय अध्यक्ष गुलेंद्र यादव ने समाज की गतिविधियों से अवगत कराया साथ ही साथ उन्होंने राजीम मुख्यालय भवन में शेड निर्माण हेतु मुख्य अतिथि से 20 लाख रुपए की मांग भी रखी । मुख्य अतिथि विधायक श्री साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि राजिम लोचन भगवान की धरती में कुलेश्वर महादेव के आशीर्वाद से आज हम सब यहां पर एकत्र हुए हैं। उन्होंने कहा कि समाज से बड़ा कुछ नहीं होता। हर समाज का अपना अपना अलग रीति नीति रहता है । सामाजिक कार्य से जुड़कर हम सबको एक स्वच्छ एवं मजबूत समाज एवं देश का निर्माण करना है । उन्होंने सामाजिक जनों की मांग पर शेड निर्माण के लिए 10 लाख रुपए राशि की घोषणा भी की।। इसके पश्चात समाज के राज्य अध्यक्षों ने अपने-अपने एजेंडा पर मंच पर ही बात रखी। वहीं द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि खल्लारी के विधायक एवं पूर्व संसदीय सचिव द्वारका धीश यादव रहे । उन्होंने भी समाज को आगे बढ़ाने के लिए एक जूटता के साथ सबको आगे आकर काम करने का अपील किया । साथ ही जो भी हर संभव मदद होगा वह उन्होंने समाज को करने के आश्वासन भी दिया । इस अवसर पर प्रमुख रूप से समाज के अध्यक्ष सहित पदाधिकारी के द्वारा अतिथियों का स्वागत किया। विशेष अतिथि जिला पंचायत दुर्ग के अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा यादव थी। अधिवेशन में प्रांत कार्यकारिणी के द्वारा राज पार के प्रमुखों का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर पाटन राज से अध्यक्ष ईश्वर यादव, सचिव अश्विनी यादव, मीडिया प्रभारी बलराम यादव ,पूर्व उपाध्यक्ष बालाराम पहादा, राकेश यादव सावनी, हेमलाल यादव परसाही , देवेंद्र यादव परसाही, यशवंत यादव खुटेरी, कमलेश यादव संतरा, महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष भारती यादव तर्रा, रामविलास यादव चुनकट्टा, मदन यादव केसरा, जीवन यादव केसरा , इंद्रजीत यादव सिर्री, मंजू लता सचिव महिला प्रकोष्ठ ग्राम बोरवाय, उपाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ कुंती यादव मचानदुर, भगवती यादवपंडर , पवन यादव कसही, विजय यादव मर्रा , गोरे यादव गाड़ाडीह, शशि यादव दिघारी, संतोष यादव बीजाभांठा , संतोष यादव उपाध्यक्ष कनाकोट , सहित समाज के अन्य लोग मौजूद रहे।

संपादकीय...

बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवालिया निशान

बेबी केयर सेंटर नर्सिंग होम के पंजीकरण पर संचालित किया जा रहा था और इसका लाइसेंस भी 31 मार्च, 2024 को समाप्त हो चुका था। इसका रिन्यूअल नहीं कराया गया था। मौके पर आग बुझाने का कोई भी उपकरण मौजूद नहीं था और न ही किसी फायर फाइटिंग सिस्टम को लगाने का प्रयास किया गया था।

हाल में दिल्ली में बेबी केयर सेंटर में आग लगने से जो हादसा हुआ, उससे नर्सिंग होम और बेबी केयर सेंटर्स में बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवालिया निशान लग गए हैं। इस हादसे के बाद जांच में बहुत सारी खामियां मिल रही हैं। बेबी केयर सेंटर नर्सिंग होम के पंजीकरण पर संचालित किया जा रहा था और इसका लाइसेंस भी 31 मार्च, 2024 को समाप्त हो चुका था। इसका रिन्यूअल नहीं कराया गया था। मौके पर आग बुझाने का कोई भी उपकरण मौजूद नहीं था और न ही किसी फायर फाइटिंग सिस्टम को लगाने का प्रयास किया गया था। आपातकालीन स्थिति में इमारत से बाहर निकलने के लिए कोई दूसरा रास्ता भी नहीं था।

इस घटना ने लोगों को दिल्ली में संचालित अन्य निजी नर्सिंग होम, बेबी केयर सेंटर, निजी क्लिनिक और अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्थाओं के बारे में सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। इन अस्पतालों और नर्सिंग होम को चलाने के लिए किन नियमों का पालन करना पड़ता है और कहां से लाइसेंस लेना पड़ता है; इस संबध में कुछ जानकारियां हैं- सबसे पहले दिल्ली में नर्सिंग होम चलाने के लिए दिल्ली सरकार के डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज से नर्सिंग होम एक्ट के तहत लाइसेंस लेना होता है।

डीजीएचएस कार्यालय में पंजीकरण के लिए आवेदन करना होता है। इसके बाद डीजीएचएस कार्यालय की ओर से नर्सिंग होम बिल्डिंग का निरीक्षण किया जाता है; यदि बिल्डिंग नियमों के तहत सही पाई जाती है, तो नर्सिंग होम चलाने का लाइसेंस दिया जाता है। दिल्ली का मास्टर प्लान 2021 के तहत जांच की जाती है कि उस रेजिडेंशियल एरिया, जहां सड़क की चौड़ाई 9 मीटर या उससे अधिक हो, में क्या नर्सिंग होम या अस्पताल चलाने के लिए स्वीकृति दी जा सकती है। दूसरा, दिल्ली के फायर एक्ट के तहत फायर विभाग से नर्सिंग होम या अस्पताल चलाने के लिए एनओसी तब लेनी होती है, जब उस बिल्डिंग की ऊंचाई नौ मीटर से ज्यादा हो। बिल्डिंग की ऊंचाई नौ मीटर या उससे कम हो, तब एनओसी की जरूरत नहीं होती। तीसरा, चाइल्ड बेबी केयर सेंटर के लिए अलग से परमिशन की जरूरत नहीं पड़ती। उसे नर्सिंग होम के तहत ही पंजीकृत कराकर लाइसेंस लेकर चलाया जा सकता है। डीजीएचएस के जरिए ही बेबी केयर सेंटर को भी नर्सिंग होम एक्ट में पंजीकृत कर सकते हैं। बेबी केयर सेंटर चलाने के लिए प्रशिक्षित पीडियाट्रिशियन, स्पेशलिस्ट डॉक्टर और प्रशिक्षित नर्स की जरूरत होती है। डीजीएचएस द्वारा किसी भी नर्सिंग होम या अस्पताल को पहली बार तीन साल के लिए लाइसेंस दिया जाता है। लाइसेंस का समय खत्म होने से दो महीने पहले रिन्यूअल के लिए आवेदन करना चाहिए। इस बीच रिन्यूअल की अवधि समाप्त हो रही हो तो तब तक इंतजार करना चाहिए,जब तक डीजीएचएस से कोई सूचना नहीं आ जाती। लेकिन जब तक रिन्यूअल के लिए भेजे गए आवेदन को रिजेक्ट नहीं किया जाता, तब तक अस्पताल और नर्सिंग होम संचालक अस्पताल चला सकता है। पंजीकरण या लाइसेंस अस्वीकृत होने के बाद ही उसको बंद किया जा सकता है। यदि डीजीएचएस कार्यालय देरी कर रहा है, तो विलंब की बाबत पूछताछ की जा सकती है।

दिल्ली नगर निगम या एनडीएमसी के नक्शे के हिसाब से ही बिल्डिंग बनानी पड़ती है। इस नक्शे और बिल्डिंग को देख कर ही डीजीएचएस की ओर से लाइसेंस दिया जाता है। उसके बाद ही नगर निगम या एनडीएमसी उस बिल्डिंग से हाउस टैक्स लेता है। नर्सिंग होम एक्ट के अनुसार 100 वर्ग मीटर के किसी भी प्लाट पर बनी बिल्डिंग में अस्पताल संचालित कर सकते हैं। भारत में अस्पताल स्थापित करने के लिए नैदानिक स्थापना अधिनियम, 2017 के तहत पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। यह केंद्र सरकार द्वारा अधिनियमित किया गया है। इसके लिए पंजीकरण की आवश्यकता होती है। पंजीकरण राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। पंजीकरण के लिए अस्पतालों को उस श्रेणी के तहत न्यूनतम आवश्यकता पूरी करनी होती है, जिसके अंर्तगत वह आता है। कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकरण में जब अस्पताल ने इसे किसी निगम/कॉरपोरेट के स्वामित्व में स्थापित किया हो। अधिनियम के लिए आवश्यक है कि निगम पंजीकृत हो और एसोसिएशन के ज्ञापन, लेख, पूंजी संरचना निर्माण, प्रतिभूतियों का आवंटन, खाता ऑडिट आदि जैसे निगमन की आवश्यकता को पूरा करता हो। संपूर्ण भारत में यदि स्वास्थ्य से संबंधित उपचार के लिए अस्पतालों को संचालित करना है, तो हमें स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना होगा, तभी जनमानस का ध्यान स्वास्थ्य लाभ के लिए अस्पतालों की ओर जाएगा, नहीं तो वे सिर्फ आम नागरिक की जेबों को खलास करने के अतिरिक्त कुछ नहीं करेंगे।

मोदी के लिए बड़ी चुनौती, क्या करेंगे?

हरिशंकर व्यास

संभव नहीं। वे समय और मिजाज दोनों में बंधे हैं। समय ग्राफ के लुढ़कने का है। 2024 के जनादेश ने नरेंद्र मोदी को एक तरह से बर्फ की सिल्ली बना दिया है जो सियासी गर्मी में पिघलनी ही है। वे सत्ता में चाहे जितना रहें, लोगों में असंतोष और गुस्सा निरंतर बढ़ना है। मोदी की तीसरी कैबिनेट सत्ता और सत्ताखोरी में वक्त काटेगी। पहले सरकार में मोदी, अमित शाह दो का खेला था अब सबका खेला बनेगा। न महंगाई और बेरोजगारी में तनिक भी कंट्रोल संभव है और न शिक्षा, चिकित्सा और आवश्यक सेवाओं का सुधरना, उनका सस्ता होना मुमकिन है। ऊपर से दस साला भ्रष्टाचार की परतें धड़ाधड़ खुलनी हैं।

ऐसे में नरेंद्र मोदी क्या करेंगे? वे चौबीस घंटे दिन रात इस चिंता में रहेंगे कि कैसे पुराना दस साला राज वापिस लौटे। वह राज जिसमें एकक्षत्रता थी। किसी की कैबिनेट में बोलने की हिम्मत नहीं होती थी। ईडी, सीबीआई आदि का जिधर चाहे हथौड़ा चला देते थे। अदालतें चिंता करती और घबराती थीं। हर दिन मीड़िया भगवान का नया शृंगार दिखाता होता था। प्रतिदिन सुबह-शाम आरती उतरती थी।

चिंता, असहजता और मिजाज की मजबूरी में नरेंद्र मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता लोकसभा में भाजपा के सासंदों की संख्या को 275 पार बनाने की होगी। मुश्किल है उनके लिए जो उनके साथ साथ चंद्रबाबू व नीतीश कुमार फोटो में नजर आएं। सुबह, शाम, संसदीय सत्र में रोज विपक्ष का शोर सुनें। इसलिए फोटो फ्रेम से नीतीश व चंद्रबाबू को आउट करना जरूरी है। पर वे इनका हाथ पकड़ कर इन्हें बाहर नहीं कर सकते तो डांटना, बोलना भी संभव नहीं।

मोदी के लिए बड़ी चुनौती इसी साल होने वाले तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं। उनमें में नरेंद्र मोदी का जादू फिर फेल हुआ तो क्या करेंगे? इसलिए बिहार के चुनाव तक मोदी को नीतीश कुमार की छाया में रहना है। उधर दक्षिण भारत के सारे राज्य और उनके मुख्यमंत्री व सांसद केंद्र से पैसे लेने, जीएसटी के मुद्दे और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मामले में चंद्रबाबू को आगे रख कर अपना एजेंडा साधेंगे। इससे उत्तर भारत में भाजपा फुस्स होगी। भाजपा की प्रदेश सरकारों को लाले पड़ने हैं। संभव है एक जुलाई से लागू होने वाली नई आईपीसी पर भी दक्षिण में झमेला हो।

इन स्थितियों में नरेंद्र मोदी क्या अटल बिहारी वाजपेयी की तरह अपने को लचीला, सभी के साथ फ्रेम में होने वाला, समावेशी बन सकते हैं? नामुमकिन। उनका अगला टर्निंग प्वाइंट हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों का होगा। चुनाव जीतने के लिए मोदी का तब एक्स्ट्रीम हल्ला बोल होगा तो संभव वहीं चंद्रबाबू और नीतीश उसे अनसुना करें। जाहिर है नरेंद्र मोदी नहीं बदल सकते हैं और इसी से आगे भी उनका हस्र है।

दोस्त करीब रहें तो दुश्मन और भी नजदीक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक बार फिर प्रधानमंत्री बनने के लिए दावा प्रस्तुत करने के बाद रविवार को शपथ ग्रहण समारोह हुआ। यह करते हुए उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। सहयोगियों चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, एकनाथ शिंदे और चिराग पासवान ने पुनर्जीवित हुई एनडीए की ओर से उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं पंजाब में सरबजीत सिंह खालसा, अमृतपाल सिंह ने तो जम्मू-कश्मीर में इंजीनियर राशिद 'लंगाते' ने अपनी सीट जीती है- इनमें दो आखिरी अभी भी जेल में बंद हैं, उन पर क्रमशः राष्ट्रीय सुरक्षा कानून और यूएपीए की धाराएं लगी हैं।

ज्योति मल्होत्रा

चुनावी खिचड़ी की देग से निकले इन तीन किंतु एक-दूसरे से अलग संदेशों पर, चुनाव उपरांत सोनिया गांधी को लेकर अफ्वाह भारी रही जब कहा गया कि उन्होंने सरकार बनाने में समर्थन मांगने की गर्ज से नायडू और नीतीश से बात की है। नई दिल्ली में यह बात चली हुई है कि यदि इन दोनों में, जो कोई साथ जुड़ना चाहेगा, उसे इंडिया गठबंधन सर्वोच्च पद देने को तैयार है।

पर ऐसा नहीं हुआ क्योंकि सीधी बात है इंडिया गठजोड़ के पास पर्याप्त संख्याबल नहीं था, लिहाजा यह तय था कि मोदी ही तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। परंतु यदि प्रेस को पता है कि सोनिया ने उस व्यक्ति तक पहुंच की है जिसने उनके साथ बात करने के चंद घंटों बाद मोदी को कीमती कांजीवरम शॉल भेंट करके अपनी निष्ठा व्यक्त की है, तो जाहिर है यह 'रहस्य' खुफ्फिया एजेंसियों को और उनकी मार्फ्त मोदी और शाह को भी जरूर मालूम होगा। यह जानकारी उनके कान खड़े रखेगी। 'दोस्तों को पास रखो और दुश्मनों को और भी नज़दीक', चाणक्य और मैक्यावली की इस कूटनीतिक सूक्ति की तगड़ी खुराक तीसरी बार प्रधानमंत्री बने मोदी को अगले कुछ महीनों तक लेने की जरूरत है।

नायडू से, विशेष तौर पर, उम्मीद है कि वे प्रधानमंत्री मोदी की ध्रुवीकरण करने की मुहिम को कुछ मद्धम कर पाएंगेङ्क यहां सवाल यह है कि वे खुद और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से शिक्षित उनका बेटा नारा लोकेश (जिसका चुनावी अभियान में एक नारा रहा : 'सरकार में

अभिमान का कोई स्थान नहीं' और इस कथन ने राज्य में लोगों को बारिश की फुहारों से मिलती राहत का सा अहसास करवाया) क्या यह दोनों मोदी एवं शाह के हाथों में तमाम शक्ति का केंद्रीकरण होना गवारा कर पाएंगे। नायडू और अन्य शायद जल्द ही जान जाएंगे कि शक्ति का प्रयोग, दोधारी तलवार की तरह दोनों तरफ काट करता है। उन्हें पहले ही स्पष्ट कर दिया गया है कि चार मुख्य मंत्रालय यानी रक्षा, विदेश, वित्त और गृह विभाग में कोई एक नहीं मिलने वालाङ्क यहां तक कि लोकसभा अध्यक्ष पद भी नहीं। ऐसे में नायडू और नीतीश यदि अपने प्रिय सूबों आंध्र प्रदेश और बिहार के लिए केंद्र सरकार द्वारा खुले हाथों से विशेष आर्थिक मदद किए जाने की चाहत रखते हैं तो इसकी एवज में मन मसोसने के सिवा और कोई चारा नहीं।

न तो प्रधानमंत्री और न ही उनकी पार्टी के बड़े नेता मीडिया पर कायम अपनी बढ़त खोना नहीं चाहेंगे, जबकि आज तक चैनल पर सुधीर चौधरी की नवीनतम 'खोज' कहती है कि इस बार भारत में हिंदुओं के बड़े भाग ने हिंदुत्व के नारे को विशेष महत्व नहीं दिया और इसकी वजह से भाजपा ने आम चुनाव में इतनी बड़ी संख्या में सीटें गंवाई हैं।

सवाल है, क्या मोदी और नायडू क्रमशः अपना-अपना प्रभाव का दायरा बनाने के लिए चुपचाप राज़ी हो जाएंगेङ्क जिसमें आंध्र प्रदेश में नायडू की तो बाकी देश (गैर भाजपा सूबों में) मोदी की चलेङ्क या क्या संवेदनशील मुद्दे, जैसे कि संविधान के समक्ष धार्मिक समानता (जिसका मूर्त रूप धार्मिक स्थल अधिनियम 1991 है), इन पर अपना बेबाक नजरिया व्यक्त करने की छूट नायडू को होगी या फिर इसके लिए उन्हें मोदी को खुद से हुए समझौते की याद दिलानी पड़ेगी? हमने देखा है कि किस प्रकार पिछले महीनों में, उत्तर प्रदेश सरकार ने ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाने में आनन-फानन में मूर्तियां स्थापित करने की इज़ाजत दी। जब कभी प्रधानमंत्री के चुनाव क्षेत्र वाराणसी में इस मामले पर फिर से साम्प्रदायिक तनाव गहराया और छाया रहा, तो क्या नायडू इसको देखकर आंखें मूंद लेंगे या नजरें फेरना चुनेंगे?

कयास है, हमें शीघ्र ही इसका पता चल जाएगा। यदि नायडू मानते हैं कि सूबे का राजकाज संभालने के लिए अपने बेटे को तैयार करना उनकी पहली प्राथमिकता है, तब राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी अंतरात्मा को कष्ट देने को उनके पास अधिक वक्त नहीं होगाङ्क वास्तव में, प्रधानमंत्री को बल्कि खुशी होगी यदि तेलुगू देशम पार्टी का मुखिया अपने सपनों के 'आंध्र गणतंत्र' की रचना करने में व्यस्त रहे और उसके पास भाजपा के घोषणापत्र में शेष बचे मामलों के वादे को अमलीजामा पहनाए जाने पर ध्यान देने लायक समय ही न बचे, मसलन, देशभर में समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लागू करना।

एनडीए गठबंधन के केंद्र में अपने-अपने प्रभाव को लेकर इस प्रकार की संभावित ऊंच-नीच वाली स्थिति आने वाले महीनों और सालों में बनी रह सकती है। स्वाभाविक है, पहले की अपेक्षा अधिक मुखर हुआ विपक्ष इस तनाव को हवा देने का प्रयास करेगाङ्कठीक इसी प्रकार सरकार भी अपनी तैयारी पूरी रखेगी कि सदन में बहस की अनुमति देकर इतना शोरोगुल और उत्तेजना पैदा होने दे कि विपक्ष इसमें उलझकर पस्त पड़ जाए और सत्र व्यर्थ जाए, वहीं सरकार सदन के बाहर अपनी शक्ति बरतती रहे।

यदि प्रधानमंत्री जान-बूझकर या अनजाने में जनादेश पढ़ने में गलती कर गए ङ्कजैसा कि शुक्रवार को संसद भवन में आयोजित संसदीय दल की बैठक में दिए उनके भाषण से जाहिर होता है, जब उन्होंने विपक्ष का मखौल उड़ायाङ्क तब शायद वे वाजपेयी द्वारा संसद के अंदर विपक्ष से सुलहकारी रवैया रखने के विपरीत अपना कीमती समय भाजपा के अंदर गहरे तक पैठ कर चुकी गांठ को आगे भी ढोते रहने में खर्च करेंगे।

उनके कड़े रुख की निरंतरता का सबूत है कि शपथ समारोह हेतु निमंत्रण भेजते वक्त पड़ोस के दक्षिण एशियाई राष्ट्राध्यक्षों में एकमात्र पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को छोड़कर, सबको बुलावा भेजा गयाङ्क कुछ लोग इसे शिष्टता तो शायद ही कहेंगे। इस प्रकार के कड़े संकेत देना, वह भी अपनी नई पारी की शुरुआत करते वक्त, ऐसा करके आप न केवल अपने बैरी से वार्ता के तमाम दरवाज़े बंद करते हैं बल्कि अपने विकल्पों के लिए भीङ्क अवश्य ही, एक भावी क्षेत्रीय शक्ति के लिए ऐसा रवैया रखना दूरदृष्टि विहीन सोच कहा जाएगा। घरेलू मोर्चे पर, अमृतपाल और इंजीनियर राशिद के मामले में, दोनों के प्रति दया दिखाने की उम्मीद पर काफी संशय रहेगा। अपने दुश्मन को करीब रखो, क्या किसी ने यह कहा?

लेखिका द ट्रिब्यून की प्रधान संपादक हैं।

तरक्की की दौड़ में पिछड़े वंचितों की हो फिक्र

सुरेश सेठ

भारत ने अपनी अभूतपूर्व तरक्की से पूरी दुनिया को चौंकाया है। रिजर्व बैंक ने विकास दर का अनुमान 7.6 प्रतिशत लगाया था और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 6.8 प्रतिशत। लेकिन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के जो आंकड़े सामने आए हैं, वे इससे कहीं अधिक हैं। हालिया अंतर्राष्ट्रीय सर्वे बताता है कि भारतीयों को अपना भविष्य सुरक्षित होने का भरोसा है। लेकिन जब वैश्विक संस्थाएं कहती हैं कि देश में खरबपतियों की संख्या अत्यधिक बढ़ी है मगर गरीबों की हालत में कोई सुधार नहीं आया तो कई सवाल जन्म लेते हैं। ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत की स्थिति स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और शिक्षा के पिछड़ेपन पर तो स्वदेशी संस्था 'असर' में भी रिपोर्ट परेशान करने वाली है।?दरअसल, डिजिटलीकरण व कृत्रिम मेधा में तरक्की के दावों के बीच भारतीय युवा वर्ग के शैक्षिक स्तर में गिरावट चिंता बढ़ाने वाली है।

यही वजह है कि बेरोजगारों की संख्या में कमी नहीं आई। वे अनुकम्पा के बल पर जीते नजर आने लगे और जहां नौकरियां बढ़ी थीं, वहां तमाम तरह की विसंगतियां हैं। भारत में अनियमित रोजगार और करोड़ों लोगों का अनिश्चित जीवन बड़ी चुनौती है। विडंबना है कि देश तरक्की की दौड़ में मजदूर, किसान और कामगार नहीं भाग पा रहे। उन्हें महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से भी जूझना पड़ रहा है। आज भी बड़ी चुनौती बेरोजगारी और महंगाई ही है। तंत्र की विफ्लता के कारण देश का मूल्यवान श्रमबल पलायन करने के लिए विवश हो रहा है।

अब जब देश में सत्ता की नई पारी शुरू होने जा रही है तो प्राथमिकता देनी होगी कि इकोनॉमिक मॉडल में वे परिवर्तन लाए जाएं जो आम आदमी के जीवन में भी बदलाव लाए। निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के साथ ही बेकारी, महंगाई, और भ्रष्टाचार को भी दूर करने का प्रयास करें। एक संतुलन बनाना पड़ेगा निजी क्षेत्र की तरक्की के साथ-साथ आम और

कमजोर लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिये। हमारी जीएसटी का प्रयोग भी सफ्ल रहा है और हमारी टैक्स क्लेक्शन 19 प्रतिशत तक बढ़ी है। यह लाभ आम आदमी से जुड़ी विकास योजनाओं में नजर आए।

निजी क्षेत्र की तरक्की के साथ कम्पनियों का रिकार्ड मुनाफ भी 14 प्रतिशत हो गया, जो पिछले सालों में 10 प्रतिशत था। देश में आठ प्रमुख सेक्टर हैं। इनमें से केवल मैन्युफैक्चरिंग और खनन क्षेत्र में ही यह असाधारण ग्रोथ देखने को मिल रही है। कृषि की विकास दर तो बहुत कम हो गई है। जहां 2022-23 में यह विकास दर 4.7 प्रतिशत थी, वहां 2023-24 में यह 1.4 प्रतिशत रह गई है। ट्रेड, होटल और परिवहन का विकास 2022-23 में 12 प्रतिशत तक हो गया था, अब 2023-24 में 6.4 प्रतिशत रह गया। कहने को ग्रामीण उपभोक्ता मांग बढ़ गई है लेकिन याद रखिए, यह साधारण दो एकड़ की खेती करने वाले आम किसान की नहीं, उस मध्यवर्गीय और धनी किसान की है, जिसे बढ़ती उत्पादकता और अंतर्राष्ट्रीय तनाव के कारण पैदा हुई अधिक कीमतों से लाभ हुआ। भारत में नया उभरता हुआ मध्यवर्ग तो अपनी जेब से बाहर जाकर भी खर्च कर रहा है। भारत की मौद्रिक नीति में महंगाई को नियंत्रित करने के लिए रैपो रेट को बार-बार बढ़ाने की ओर जो कदम उठाए गए, उनके बावजूद मध्यवर्ग ने अपनी ऋण लेने की तत्परता कम नहीं की। महंगे फ्लैटों और महंगी गाड़ियों की मांग उभरकर सामने आ रही है। सरकार ने भी विकास दर बढ़ाने के लिए पूंजीगत निवेश 10 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया, जो उससे पिछले वर्ष से 37 प्रतिशत ज्यादा था। इसके द्वारा हमने देशभर में नई सड़कों और पेयजल हेतु बुनियादी सुविधाएं जुटाईं। इधर अधिक उत्पादकता के कारण चावल, गेहूं जैसे अनाज का बफर स्टॉक भी बढ़ा है। इसके साथ महंगाई को काबू रखने की कोशिश की गई।

दो-तीन वर्ष में भारत के तीसरी वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने के दावे किये जा रहे हैं। दावे तो हैं कि देश दो दशक बाद एक विकसित राष्ट्र होगा। अगर हमारी जीडीपी विकास दर इसी तरह गतिमान रही तो शायद हम अपने विकास के लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

लेकिन इन आंकड़ों की महक से प्रफुल्लित होने के साथ-साथ हम यह भी याद रखें कि कृषि प्रधान देश भारत में कृषि अपेक्षित तरक्की नहीं कर पाई। भारत में पर्यटन की अकूत संभावनाओं के बावजूद हम पर्यटन विस्तार की कसौटियों पर पूरी तरह से खरे नहीं उतर पाए हैं। इसके साथ यह तरक्की आश्वस्त तो कर सकती है कि आरबीआई ब्रिटेन से 100 टन सोना भारत ले आया, जो देश की आर्थिक संप्रभुता के लिये उत्साहवर्धक खबर है।? असल विकास तो तब होगा जब देश की सुप्त सम्पदा का भी उत्पादक और विकासशील उपयोग होना शुरू हो जाएगा। सोने पर जारी किए गए विकास बांड में धनकुबेरों से लेकर आम जनता का निवेश इस दिशा में बहुत बड़ा योगदान दे सकता है। देश का विकास समतामूलक व आर्थिक विषमता को दूर करने वाला होना चाहिए।

लेखक साहित्यकार हैं।

अदालत की टिप्पणी मायनेखेज

राजधानी दिल्ली में पानी की भारी किल्लत पर सर्वोच्च अदालत की टिप्पणी मायनेखेज है। शीर्ष अदालत ने इसी के मद् देनजर हिमाचल प्रदेश को 7 जून को दिल्ली के लिए 137 क्यूसेक अतिरिक्त जल छोड़ने का निर्देश दिया।

साथ ही हरियाणा से कहा कि वह दिल्ली तक पानी का सुगम प्रवाह सुनिश्चित करे। दरअसल, दिल्ली में पानी की घनघोर किल्लत पिछले एक महीने से लगातार बनी हुई है। पानी को लेकर दिल्ली में हिंसक झड़प भी हुई। यहां तक कि एक शख्स की मौत भी हुई।

दूसरी ओर, दिल्ली सरकार में मंत्री और आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता अतिशी ने पिछले हफ्ते हरियाणा और उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर अतिरिक्त पानी देने का अनुरोध किया था। हकीकी तौर पर दिल्ली में पानी को लेकर हमेशा से राजनीति होती रही है।

इस बार भी कुछ ऐसा ही हो रहा था। एक तरफ भाजपा ने जहां दिल्ली सरकार को पानी के मसले पर लगातार घेरा और पानी की कमी को लेकर केजरीवाल सरकार की नाक में दम किए रखी। वहीं आम आदमी पार्टी का कहना है कि इस बार चूंकि गर्मी का कहर ज्यादा रहा इसलिए राज्य में पानी की जोरदार कमी महसूस की गई, मगर हरियाणा और उत्तर प्रदेश ने मानवीय मूल्यों की परवाह नहीं की और दिल्ली की जनता को पानी के लिए तरसाया।

खैर, सर्वोच्च अदालत को इस बात का इल्म है कि पानी पर यहां जमकर राजनीति हो रही है। यही वजह है कि उसने इस मामले में राजनीति न करने की सख्त हिदायत दी है। बहरहाल, पानी की बर्बादी किस तरह की जाती है इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता है।

अगर लोगों में यह समझ पैदा हो जाए कि पानी का समझदारी से इस्तेमाल और इसे बचाने में ही भलाई है तो ऐसी दुर्गति से बचा जा सकता है। यह शात सत्य है कि पानी को बचाया जा सकता है, मगर पानी बनाया नहीं जा सकता है।

वैसे भी जल संकट दिल्ली की बड़ी और काफी दिनों की समस्या है। इससे निपटने का कोई युक्तसंगत उपाय हर हाल में तलाशना होगा। साथ ही अगर जो लोग पानी की बर्बादी करते पाए जाएंगे तो उन पर सख्ती भी की जानी चाहिए। पानी की जरूरत का अहसास तभी होता है जब यह नहीं मिलती है। इस बात को हमें समझना ही होगा।

बीके स्वाति दीदी पीपीपी अर्थात पुलिस-पब्लिक-पार्टिसिपेशन अवार्ड से सम्मानित

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

सेवाएं तो हम निरंतर करते हैं, परंतु यह एक सप्ताह सभी एक साथ मिलकर, एक लक्ष्य यातयात के नियमों के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहे थे। जिससे पूरे शहर का वातावरण एक अलग ही वातावरण बन गया था। मोबाइल व्यक्ति के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है हम उसकी संभाल करने के लिए उस पर कवर लगा कर रखते हैं तो हम अपने इस अमूल्य शरीर की संभाल करने के लिए हेलमेट या सीट बेल्ट क्यों नहीं लगा सकते हैं।

उक्त वक्तव्य प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय बिलासपुर की मुख्य शाखा टेलीफोन एक्सचेंज रोड, राजयोग भवन की संचालिका बीके स्वाति दीदी ने पुलिस विभाग के द्वारा आयोजित कार्यक्रम चेतना के प्रथम सत्र में यातायात जन जागरूकता अभियान के समापन समारोह में कहा। दीदी ने आगे कहा कि जब घर से बाहर निकलते हैं तो हम मोबाइल के चार्जिंग का पूरा ख्याल रखते हैं और आवश्यकता अनुसार अपने साथ चार्जर या पावर बैंक भी अवश्य लेकर जाते हैं उसी प्रकार जब अपने वाहन लेकर बाहर निकलने के पहले गाड़ी के आवश्यक पेपर्स, इंश्योरेंस, लाइसेंस आदि जरूर साथ लेकर के चलना चाहिए। स्वाति दीदी ने एसपी का फुल फॉर्म बताते हुए कहा एस.पी. अर्थात सुपरीटेंडेंट आफपुलिस तो होता ही है परंतु आज हम अपने एस.पी. के लिए कहेंगे एस.पी. अर्थात सॉल्यूशन आफ ऑल प्रोबलम। साथ में ही दीदी ने पुलिस अधीक्षक महोदय का धन्यवाद करते हुए कहा कि आपने मातृशक्ति को आगे रखा है। माता प्रथम गुरु होती है और जब तक महिला किसी भी कार्य के प्रति अपने अंदर चेतना जागृत कर लेती है तो अवश्य ही परिवार, समाज, देश और विश्व में परिवर्तन आता है। ज्ञात हो कि बिलासपुर पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह के अभिनव पहल के तहत बिलासपुर जिले में चेतना कार्यक्रम का 1 जून 2024 को शुभारंभ हुआ। जिसमें बिलासपुर शहर की अनेक सामाजिक संस्थाएं, संगठन, हत्तह्य आदि के साथ मिलकर समाज में व्याप्त कई बुराइयां जैसे व्यसन, यातायात के नियमों की अव्यवस्था, बाल एवं महिलाओं से संबंधित समस्याएं, साइबर क्राइम एवं संगठित अपराध आदि समस्याओं के प्रति समाज के अंदर चेतना लाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 1 जून से 7 जून तक, पहले सप्ताह में यातायात के नियमों के प्रति जागृत करने के लिए यातायात की पाठशाला लगाई गई। जिसमें गाड़ी चलाने वाले वाहन धारियों को टू व्हीलर चलाते समय हेलमेट एवं फोर व्हीलर चलाते समय सीट बेल्ट के प्रति एवं गाड़ी की निश्चित गति सीमा के लिए जागृत करना था। जिसमें ब्रह्माकुमारीज राजयोग भवन के द्वारा 1 जून से 7 जून तक निरंतर पुराना बस स्टैंड, तार बहार, ष्टस्ठ्र कॉलेज, सत्यम चौक आदि स्थानों पर यातायात की पाठशाला लगातार शहर वासियों को जागृत करती रही। *ब्रह्माकुमारीज के इस सराहनीय कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक श्री रजनीश सिंह जी के द्वारा प्रसंशा पत्र दिया गया। दीदी की विशेष सेवाओं के कारण पीपीपी अर्थात पुलिस-पब्लिक-पार्टिसिपेशन अवार्ड भी दिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अर्चना झा जी ने क्क्क का बैच पहना कर तथा एवार्ड देकर सम्मानित किया।* उक्त कार्यक्रम में पुलिस विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी एवं शहर की सभी गणमान्य संस्थाएं उपस्थित रही।

छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज का बैठक संपन्न

31 जुलाई को जांजगीर में होगा आम सभा एवं यादव महासम्मेलन

श्रमबिन्दु / रायपुर

छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक रविवार 09.06.2024 समय दोपहर 01 बजे से प्रधान कार्यालय यादव समाजिक भवन महादेव घाट रायपुरा में प्रदेश अध्यक्ष जागनीक यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। प्रदेश सचिव सुन्दर लाल यादव ने संचालन किया। बैठक में अनेक विषयों पर चर्चा किया गया। जांजगीर-चांपा में 31 जुलाई को आमसभा एवं यादव महासम्मेलन होगा, जिसके संयोजक जांजगीर-चांपा जिला अध्यक्ष त्रिभुवन यादव और सह-संयोजक जिला अध्यक्ष रायगढ़ पंचराम यादव होंगे। इस आम सभा और यादव महासम्मेलन में संविधान संशोधन किया जाएगा। रायपुर जिला अध्यक्ष रामलाल यादव की अध्यक्षता में संविधान संशोधन के लिए समिति का गठन किया गया है, इस समिति में सभी जिला अध्यक्ष गण है। संविधान संशोधन के लिए सभी ब्लाक अध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष, परिक्षेत्र अध्यक्ष से संशोधन के लिए प्रस्ताव लिया जायेगा।

प्रदेश सचिव सुन्दर लाल यादव ने जानकारी देते हुये बताया कि छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज के प्रदेश अध्यक्ष जगनीक यादव की अध्यक्षता एवं जांजगीर-चांपा के जिला पदाधिकारियों, अन्य जिलों के जिला, ब्लॉक, तहसील पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रधान कार्यालय महादेव घाट रायपुरा की बैठक में निर्णय लिया गया। बैठक में प्रदेश संरक्षक जगत राम यादव प्रदेश सचिव सुंदर लाल यादव, कोषाध्यक्ष जी आर यादव, जिला अध्यक्ष जांजगीर-चांपा त्रिभुवन यादव, जिला अध्यक्ष रायपुर रामलाल यादव, जिला अध्यक्ष दुर्ग ठाकुर राम यादव, जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ दुर्ग श्रीमती, गायत्री यादव, जिला अध्यक्ष रायगढ़ पंचराम यादव, जिला अध्यक्ष महासमुंद प्रीतम यादव, प्रदेश महामंत्री शिव कुमार यादव, प्रदेश संगठन मंत्री रामेश्वर यादव, महासमुंद बसना तहसील अध्यक्ष नरेंद्र यादव, कुंज राम यादव, राजनांदगांव महानगर इकाई से अध्यक्ष गरीबा यादव, महामंत्री सुदेश यादव, अमन यादव, राजेश यादव, बलौदा बाजार से जिला उपाध्यक्ष नारंतक यादव, जिला सचिव संतोष यादव, ब्लॉक अध्यक्ष सोमनाथ गौरी यादव, जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ रायपुर प्यारे लाल यादव, उपाध्यक्ष यादव राजूलाल यादव, मीडिया प्रभारी सौरभ सिंह यादव, जयराम यादव, लोकू यादव, पोषण यादव, ब्लॉक अध्यक्ष कुरूद बंशीलाल यादव, ब्लॉक अध्यक्ष मगरलोड केशव यादव, ब्लॉक कोषाध्यक्ष भगवती यादव, ब्लॉक अध्यक्ष कसडोल संतोष यादव, ब्लॉक अध्यक्ष लवन भिखम लाल यादव, ब्लॉक अध्यक्ष धमतरी जिला उपाध्यक्ष देवगुण यादव, मतवारी यादव, घुरऊ यादव, शत्रुघन यादव, नरेश यादव, बैशाखू यादव, रामस्वरूप यादव, प्रमोद यादव, बलराम यादव सहित बड़ी संख्या में सामाजिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने धान उठाव तथा खाद एवं बीज भंडारण की प्रगति की समीक्षा की

कांकेर। कलेक्टर नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने आज जिला कार्यालय में खाद्य विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर धान उठाव तथा खाद एवं बीज भंडारण की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि जिले में जिन समितियों के पास अधिक मात्रा में धान का उठाव शेष है, वहां समिति और मिलर्स से समन्वय कर शीघ्र उठाव करें। साथ ही उन्होंने जिले में मांग अनुसार खाद-बीज भंडारण एवं वितरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री क्षीरसागर ने खाद एवं बीज भंडारण कार्य की समीक्षा करते हुए जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक और जिला विपणन अधिकारी से समितियों की मांग अनुसार खाद की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला विपणन अधिकारी ने बताया कि जिले में अब तक 60 प्रतिशत खाद का भंडारण हो चुका है। कलेक्टर ने खाद्य अधिकारी एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी से जिले के सभी उचित मूल्य दुकानों में समय में खाद्यान्न की आपूर्ति पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिसमें पहुंचविहीन क्षेत्रों के 34 उचित मूल्य दुकानों में बरसात के पूर्व भंडारण सुनिश्चित करने करने को कहा।

बिलासपुर पुलिस के चेतना अभियान के प्रथम चरण का समापन

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

बिलासपुर पुलिस की चेतना मुहिम में विशेष सहभागिता के लिए महिला जागृति समूह को ट्रिपल पी अवार्ड पुलिस, पब्लिक,पार्टिसिपेशन सम्मान से सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ साथ ही समूह की एक्टिव सदस्य जिन्होंने यातायात की पाठशाला में सहभागिता निभाई उन्हें प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया द्य

समूह की संस्थापिका सह अध्यक्ष डॉ.ज्योति सक्सेना ऊर्जावान सचिव बिंदु सिंह कुशवाहा, श्रीमती अनीता शर्मा, श्रीमती गौरी कश्यप, श्रीमती शालिनी सोनी,श्रीमती रानी त्रिभुवननाथ सिंह, डॉ. शीला शर्मा, श्रीमती हेमा सिंह, श्रीमती उषा भांगे का विशेष योगदान रहा यातायात की पाठशाला सीपत चौक, महामाया चौक, कोनी, कोनी गुरु घासी यूनिवर्सिटी के पास, चौक चौराहों पर राहगीरों को जागरूक किया गया, हेलमेट लगाए राहगीरों को सम्मानित किया गया, शपथ पत्र भरवाया गाड़ी में स्टिकर लगाकर नशा न करके गाड़ी चलाए, ट्रेफिक नियमों का पालन करे घर से थोड़ी जल्दी निकले तेज स्पीड वाहन न चलाए इत्यादि, क्र्य क्रिकेट एकेडमी के 70विद्यार्थियों को जागरूक किया, हस्र् के मनोज सिन्हा सर, मोना केंवट, निधि शर्मा, अजय बंजारे, गौतम डहरिया, पंकज यादव, राजकुमार प्रधान, आलोक सेन,विद्यार्थियों के साथ एवं कोनी टीआई सर एवं कोनी पुलिस के साथ लगातार दो दिन सहयोगी रही,राहगीरों को जागरूक, सम्मानित करना, यातायात की पाठशाला सरकंडा एवं कोनी पुलिस टीआई अधीक्षक एवं सभी पुलिस विभाग से जुड़े पदाधिकारी का सहयोग मिला विशेष रूप से एसपी सर ने हम सभी को जागरूक कर जगा दिया है द्यअब हम रुकने वाले नही है इस चेतना मुहिम को गाँव -गाँव तक लेकर जाना है द्य महिला जागृति समूह की ऊर्जावान सचिव बिंदू सिंह ने यातायात के नियमों पर आधारित मेंहदी लगाकर लोगों को जागरूक किया.साईकिल रैली, बाइक रैली में सहभागिता निभाई चेतना मुहिम का उद्देश्य अपराधों पर नियंत्रण, सड़क दुर्घटना को रोकना, साइबर फ्राड, युवा और बच्चों को नशा मुक्ति के लिए प्रेरित करना महिला जागृति समूह की समस्त नारी शक्ति बिलासपुर पुलिस की चेतना मुहिम में आगे भी सहभागिता निभाती रहेगी समूह की अध्यक्ष डॉ. ज्योति सक्सेना एवं सचिव बिंदू सिंह कुशवाहा ने यह निर्णय लिया. आगे भी जागरूकता अभियान में महिला जागृति की समस्त नारी शक्ति साथ रहेगी।

खास खबर

ओ.पी.डी. पर्ची बनाने के लिए कतार में लगने की आवश्यकता नहीं

कांकेर। कोमलदेव चिकित्सालय तथा मातृ एवं शिशु रोग चिकित्सालय अलबेलापारा में अब मरीजों को ओ.पी.डी. पर्ची बनाने के लिए लंबी कतार में लगने की आवश्यकता नहीं है। मरीजों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का आभा मोबाईल ऐप उपलब्ध कराया गया है, जिसे प्ले स्टोर से डाउनलोड कर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। उनके परिजन ओ.पी.डी. काऊंटर के पास लगे क्यू.आर.कोड को स्कैन कर और अस्पताल के साथ अपनी प्रोफाइल साझा कर भी ओ.पी.डी. पर्ची अतिशीघ्र बनवा सकते हैं।

मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का दसवां चरण प्रारंभ

कांकेर। मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का दशम चरण आज से प्रारंभ हो गया है, जो 05 जुलाई 2024 तक चलेगा। इस अभियान के तहत् जिले के 120 ग्रामों में कुल 58 हजार 800 जनसंख्या में स्वास्थ्य कर्मी द्वारा घर-घर जाकर सभी व्यक्तियों का खून जांच किया जाएगा। पॉजिटिव पाये जाने पर तत्काल उपचार किया जाएगा। डॉ. अविनाश खरे की उपस्थिति में आज विकासखण्ड भानुप्रतापपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हाटकर्रा के उप स्वास्थ्य केन्द्र बांसकुण्ड में अभियान का शुभारम्भ किया गया।

सतनामी समाज के आंदोलन ने लिया रौद्र रूप कलेक्टर भवन सहित अनेकों जगह हुई आगजनी

श्रमबिन्दु / बलौदाबाजार

पवित्र अमरगुफा कांड की सीबीआई जाँच की मांग कों लेकर 10 जून कों सतनामी समाज का प्रदेश स्तरीय आंदोलन बलौदाबाजार में आयोजित थी जहाँ हजारों की संख्या में पहुंचे सतनामी समाज का महाआंदोलन देखते ही देखते रौद्र रूप धारण कर लिया तथा भीड़ ने बेरीकेट,लकड़ी की खम्भे,दमकल की गाड़ियों में तोड़फोड़ की साथ ही चारपहिया एवं दो पहिया वाहनो में आग लगा दी जिसकी आग ने संयुक्त कलेक्टर कार्यालय बलौदाबाजार कों भी लपेटे में लिया तथा पूरा बिल्डिंग आग व धुएँ की गुब्बार में तब्दील हो गया। साथ ही तहसील कार्यालय में खड़ी आधा दर्जन कार जल गयी एवं नैनदास स्मृति स्थल सतनामी समाज भवन परिसर में भी आग लग गयी। उक्त घटनाओं से नगर में अशांति का माहौल उत्पन्न हो गया तथा जिला प्रशासन नगर वासी सहित आम नागरिक सभी लोग सदमे में है।

आंदोलन कों लेकर पिछले कई दिनों से प्रदेश की सभी जिलों में सतनामी समाज की बैठके आयोजित हुई थी जिसमें बताया गया की पूरे छत्तीसगढ़ में सतनामी समाज के साथ लगातार हो रहे अन्याय, अत्याचार व सतनामी समाज के आस्था के केन्द्र गिरौदपुरी धाम अमर गुफा के तीन जैतखाम को असमाजिक तत्वो के द्वारा आरी से काट दिया गया है, जिसमें जातिवादी मानसिकता के लोग षड़यत्र पूर्वक जैतखाम को तोड़ना, जलाना, काटना कई तरह से क्षति पहुंचा रहे है। इन सब को देखते सुनते हुए भी सरकार चुप्पी साधे हुए है, तीन बिहारी आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिससे सतनामी समाज संतुष्ट नहीं है और सीबीआई जांच की मांग को लेकर पुरे छत्तीसगढ़ के सतनामी समाज बलौदाबाजार में 10 जून सोमवार को एस. पी. कार्यालय का घेराव कर कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल, मुख्यमंत्री, गृहमंत्री एवं अनुसूचित जाति आयोग के नाम ज्ञापन सौंपने पर सहमति बनी थी।

आंदोलन कों रोकने जिला एवं पुलिस प्रशासन की व्यवस्था काफ़ी कमजोर नजर आयी, शायद प्रशासन कों इतनी भीड़ इकठ्ठा होने की उम्मीद नहीं थी। प्रदेश के लगभग सभी क्षेत्रों से सतनामी समाज के लोग वृहत संख्या में पहुंचे थे। बेरीकेट के सामने पहुंचने पर झूमाझटकी नारेबाजी हुई जिसको रोकने व भीड़ कों तीतर बितर करने के लिए लाठी चार्ज एवं आंसू गैस के गोले दागे गए जिस पर उपस्थित भीड़ उग्र हो गयी। अनियंत्रित भीड़ के सामने तैनात पुलिसकर्मी कम पड़ गए तथा उन्हें भीड़ के सामने से हटना पड़ा। धरमपुरा कांड कवर्धा , रसौटा कांड पलारी, जरहागांव कांड बिलासपुर,बोडसारा कांड, झुमका गांव कांड तथा सतनामी समाज के अधिकारीयों कर्मचारियों के साथ भेदभाव एवं प्रताड़ना से आहात सतनामी समाज की भीड़ ने बेरीकेट, दमकल की गाड़ियों में तोड़फोड़ करते हुए कलेक्टर परिसर में घुस गयी जहाँ बिल्डिंग में तोड़ फोड़ कर वहाँ की गाड़ियों में आग लगा दी, गाड़ियों में विस्फोट के कारण देखते ही देखते कलेक्टर भवन कों भी लपेटे में ले लिया।

उग्र प्रदर्शन से शासकीय संपत्ति कों हुआ भारी नुकसान

बतादे की उक्त प्रदर्शन में एस पी कलेक्टर की सयुक्त भवन में तोड़फोड़ के साथ आगजनी होने से जिला प्रशासन कों भारी नुकसान हुआ है। परिसर में रखी दर्जनों निजी मोटर सायकल जलकर खाक हो गया साथ एस पी ऑफिस के सामने से लेकर पीछे के जाते तक भीषण आग लग गयी। उधर परिसर से 500 मीटर दूर तहसील कार्यालय में भी आग लगी जहाँ आधा दर्जन कार धू धू कर जल गयी साथ ही बस स्टेण्ड के समीप स्थित सतनामी समाज के भवन परिसर में भी आग लगी है। दमकल की गाड़ियों लम्बे समय तक आग कों काबू करने में लगे रहें।

जशपुर पुलिस की गांजा तस्करों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही बागबहार पुलिस ने 01 पुरुष एवं 03 महिला गांजा तस्करों को पकड़ा

श्रमबिन्दु / पत्थलगांव

पुलिस अधीक्षक जशपुर श्री शशि मोहन सिंह द्वारा गांजा तस्कर, नशीली दवाओं के तस्कर एवं पशु तस्करों की पतासाजी हेतु सायबर सेल को सम्मिलित कर विशेष अभियान चलाया गया है। जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को मुखबीर लगाकर एवं तस्करी की सूचना मिलने पर तत्काल कार्यवाही करने एवं तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है विगत दिनांक 09.06.2024 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक सफेद रंग के मारूती स्वीफ्ट डिजायर कार क्र. सी.जी. 13 ए.एस. 5126 में ग्राम हल्दीझरिया की बिमला तिग्गा एवं निर्मला द्वारा अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा को कार में लोडकर कार चालक के साथ बिक्री करने हेतु ग्राम हल्दीझरिया से लैलुंगा की ओर जाने वाले हैं एवं दिलीप यादव सफेद रंग की स्कूटी क्र. सी.जी. 14 एम.पी. 6401 के पीछे महिला आरती कुजूर को बैठाकर कार के आगे-पीछे रेकी करते हुये जाने वाले हैं, मुखबीर द्वारा पुलिस अधीक्षक जशपुर श्री शशि मोहन सिंह को अवगत कराया गया एवं उनके निर्देशन में एसडीओपी पत्थलगांव श्री ध्रुवेश कुमार जायसवाल, उप पुलिस अधीक्षक श्री भावेश समरथ एवं प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक श्री भानूप्रताप चंद्राकर के नेतृत्व में टीम का गठन कर धरपकड़ की कार्यवाही हेतु रवाना किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा ग्राम हल्दीझरिया स्थित ग्रेजर चैक पहुंचकर हमराह स्टॉफ एवं गवाहों के नाकाबंदी कर आने-जाने वाले वाहनों की चेकिंग कर रहे थे, उसी दौरान मुखबीर के बतायेनुसार सफेद रंग की स्कूटी क्र. सी.जी. 14 एम.पी. 6401 में सवार युवक एवं पीछे बैठी युवती आये, उन्हें पुलिस द्वारा रोकने के उपरांत पीछे से स्वीफ्ट डिजायर कार क्र. सी.जी. 13 ए.एस. 5126 आ रहा था, उसके चालक ने पुलिस को देखकर कार को खड़ी कर झाड़ी जंगल की ओर भाग गया, उसके भागने पर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर जाकर कार में सवार महिला से नाम पता पूछने पर अपना नाम बिमला तिग्गा बताई तथा पीछे सीट में बैठी महिला अपना नाम निर्मला तिग्गा दोनों निवासी हल्दीझरिया बताये। स्कूटी वाहन में रेकी करते हुये आ रहे चालक का नाम पूछने पर अपना नाम दिलीप कुमार यादव निवासी मुड़ाबहला बताया तथा स्कूटी में पीछे बैठी युवती अपना नाम आरती कुजूर बताई निवासी हल्दीझरिया बताई। उक्त सभी से फरार कार चालक का नाम पूछने पर उसे रायगढ़ जिला निवासी का होना बताये। उन सभी व्यक्तियों से गांजा रखने के संबंध में पूछताछ कर गवाहों के समक्ष कार क्र. सी.जी. 13 ए.एस. 5126 की तलाषी लेने पर उनके कब्जे से 31 पैकेट मादक पदार्थ गांजा एवं अन्य सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी 13 पैकेट मादक पदार्थ गांजा कुल 44 पैकेट में 40.100 किलोग्राम कीमती 4,00,000 /- (चार लाख रू.) का मिलने पर तस्करी में कार एवं स्कूटी सहित जप्त कर अभियुक्तों को अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में उन्होनें उक्त गांजा को तस्करी कर विक्रय करने हेतु ले जाना बताये। *अभियुक्तगण 1- दिलीप कुमार यादव उम्र 31 साल निवासी मुड़ाबहला पाकेरडांड़ थाना बागबहार, 2-बिमला तिग्गा उम्र 35 साल निवासी हल्दीझरिया, 3-निर्मला तिग्गा उम्र 38 साल निवासी हल्दीझरिया, 4-आरती कुजूर उम्र 24 साल निवासी हल्दीझरिया थाना बागबहार* का कृत्य धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट का अपराध घटित करना पाये जाने पर सभी अभियुक्तों को दिनांक 09.06.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। प्रकरण की विवेचना कार्यवाही एवं गिरफ्तारी में एसडीओपी पत्थलगांव ध्रुवेश कुमार जायसवाल, प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक श्री भानूप्रताप चंद्राकर, उप पुलिस अधीक्षक श्री भावेश समरथ, निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू, स.उ.नि. नारायण साहू, स.उ.नि. हरिशंकर राम, आर. 568 राजेन्द्र रात्रे, आर. 582 दिनेष्वर यादव, आर. 28 आकाश कुजूर, म.आर. 735 पुनामनी भगत, आर. 383 आषीषन प्रभात टोप्पो, आर. 08 पदुम वर्मा, आर. 558 तुलसीदास रात्रे, आर. 157 राजकुमार बघेल, म.आर. सीमा पैंकरा एवं सायबर सेल से स.उ.नि. हरिशंकर राम, आर. 699 अनिल सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा हैपुलिस अधीक्षक जशपुर श्री शशि मोहन सिंह द्वारा कहा गया है कि:- गांजा तस्करों के विरूद्ध जिला पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है, अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों की सूचना देवें, उनका नाम पूर्णत: गोपनीय रखा जायेगा एवं उन्हें पुरस्कृत किया जावेगा।

गुरु अर्जुनदेव जी का शहीदी दिवस 10 जून को पत्थलगांव की सिख संगत ने मनाया इस अवसर पर पत्थलगांव बस स्टैंड में शरबत एवं चना का वितरण किया गया

श्रमबिन्दु / पत्थलगांव

गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी दिवस 10 जून को पत्थलगांव की सिख संगत ने मनाया इस अवसर पर पत्थलगांव बस स्टैंड में शरबत एवं चना का वितरण किया गया हर साल सिख कैलेंडर के तीसरे महीने जेठ के 24वें दिन मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के सिखों के लिए बहुत धार्मिक महत्व रखता है। गुरु अर्जुन देव जी सिख धर्म के पहले शहीद थे और उन्हें उनके महान कार्यों के लिए जाना जाता है। लोग इस दिन धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस का इतिहास

गुरु अर्जुन देव जी का जन्म अप्रैल 1563 में गोइंदवाल, भारत में हुआ था। उनके पिता गुरु रामदास और माता माता भानी थीं। उनके नाना और परदादा क्रमश: गुरु अमरदास और गुरु रामदास थे। अपने पिता की मृत्यु के बाद, वे 18 वर्ष की आयु में 1581 में दस सिख गुरुओं में से पाँचवें गुरु बने।

उन्हें 1604 में अमृतसर में स्वर्ण मंदिर या हरमंदिर साहिब के निर्माण की पहल के लिए जाना जाता है। उन्होंने एक गुरुद्वारे में चार दरवाज़े भी डिज़ाइन किए और घोषणा की कि उनका विश्वास सभी जातियों के लोगों के लिए है। अगस्त 1604 में, उन्होंने卐गुरु ग्रंथ साहिब卐 संकलित किया, जिसमें एक पुस्तक में सभी पिछले गुरुओं के लेखन शामिल हैं। उन्होंने गुरु राम दास द्वारा शुरू की गई मसंद प्रणाली का पालन किया, जिसमें सुझाव दिया गया था कि सिख अपनी आय का कम से कम दसवां हिस्सा सिख संगठन 'दासवंद' को दान करते हैं, जो गुरुद्वारों और लंगरों के निर्माण को वित्तपोषित करता है। 1606 में, उन्हें लाहौर किले में कैद कर लिया गया और मुगल सम्राट जहाँगीर द्वारा प्रताड़ित किया गया और मार डाला गया, उन्हें इतना ज्यादा प्रताड़ित किया गया कि उनकी शहीदी को शहीदी का सरताज कहां जाता है शरबत एवं चना वितरण के दौरान सिख समाज के अध्यक्ष इंद्रजीतसिंह भाटिया साथ में कुलविंदर सिंह ,गुरु शरण सिंह, परमजीत सिंह, मनजीत सिंह, देवेंद्र सिंह अमरजीत सिंह, रमेश सहगल ,मनजोत सिंह दिशांत मल्होत्रा, जगदीश एवं अन्य सदस्य शामिल रहे

सदाबहार रहता है बंधेज का फैशन

बंधेज या बांधनी टाई और डाई टैक्सटाइल का एक ऐसा फैशन है जिसका संबंध राजस्थानी और गुजराती संस्कृति से है। बंधेज का फैशन आज हमारे देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपनी धूम मचा रहा है। कई बड़े बड़े फैशन शोज में भी ये शामिल हो चुका है। बंधेज या बांधनी भारत की एक कपड़ा रंगने की एक ऐसी तकनीक है, जिसका इतिहास चार हजार साल पुराना है। बांधनी शब्द संस्कृत भाषा के शब्द बंध यानी बांधने से लिया गया है।

चार हजार साल पहले सिंधु घाटी सभ्यता में भी बांधनी कला से कपड़ा रंगने के साक्ष्य मिले हैं। गुजरात और राजस्थान में बांधनी कला से कपड़ों की रंगायी की जाती है। रेशमी या सूती कपड़े के धागों को रंग के कुंड में डालने से पहले मोम लगे धागों से उन्हें बांध दिया जाता हैं कपड़े को रंगने के बाद इन धागों को खोल दिया जाता है, जिनमें बंधे हुए भाग रंगहीन रह जाते हैं। इसमें सूती, सिल्क, शिफॉन, जॉर्जेट, साटन और मलमल जैसे कपड़े पर छापों के आधार पर बंधेज का काम किया जाता है। राजस्थान में महिलाएं कपड़ों पर निशान लगाकर इनमें बूंदे बांधने का कार्य करती हैं इन बूंदों को बांधने के बाद कपड़ों की रंगाई की जाती है। रंगने में प्रायः लाल, हरे और पीले रंग का इस्तेमाल किया जाता है। इस पद्धति में जिस जगह पर कुछ खास रंग की बूंदें बंधती हैं, उसे पहले रंगा जाता है, फिर कपड़े पर ब्लीच किया जाता है। कपड़े को रंगने के बाद इसे निचोड़ा जाता है। कपड़ों को रंगने के लिए पहले लहरिया बनाने के लिए उन्हें एक सिरे से दूसरे सिरे तक बांधकर धारियां बनायी जाती है। इसमें अलग अलग डिजाइनों को अलग अलग नाम दिये जाते हैं। एक दूसरे की लहरियां कटती है तो उसे मोठरा कहते हैं। बूंदों के आधार पर बनाये गये डिजाइन को चुनरी कहा जाता है और छोटे व बड़े चकोर बूंदों से बने डिजाइन को धनक कहा जाता है। राजस्थान के जोधपुर और जयपुर में बंधेज का बड़ा कारोबार है। यहां बनी चुनरियों और साड़ियों की विदेशों में काफी मांग है। लाल, पीले और हरे चटख रंगों में रंगी चुनरियां, साड़ियों, साफों और ओढ़नियों की तो विदेशों में बहुत मांग है। भारत में शिफॉन, सिल्क और हैवी ड्रेस मटीरियल में शेडिंग के कार्य को चुंदड़ी और प्लेन की बजाय लहरिये में पापुलर किया है। शेडिंग के तहत अलग अलग रंगों को मिलाकर सोलिड पट्टियां डाली जाती हैं, इनकी सबसे बड़ी खूबी होती है कि एक ही रंग के अलग अलग शेड होते हैं, जो एक दूसरे से नहीं मिलते। हर रंग का अपना वजूद होता है। जहां दो रंग आपस में मिलते हैं, वहां तीसरा रंग नहीं मिलता। यदि यह रंगों की रंगतें एक दूसरे मिलती भी हैं तो एक दूसरे में समायी हुई नहीं दिखती। कश्मीर, जोधपुर, ग्वालियर और जयपुर राजघरानों में भी बंधेज हमेशा से पापुलर रहा है। फिल्मी हस्तियां और सेलिब्रिटीज भी बंधेज उत्पादों के दीवाने रहे हैं। कुल मिलाकर राजस्थानी संस्कृति में रचे बसे इस बंधेज कला का अपना महत्व है।

> कश्मीर, जोधपुर, ग्वालियर और जयपुर राजघरानों में भी बंधेज हमेशा से पापुलर रहा है। फिल्मी हस्तियां और सेलिब्रिटीज भी बंधेज उत्पादों के दीवाने रहे हैं।

वाहन धोने में पानी बरबाद न हो

प्रकृति की अवहेलना का ही यह नतीजा है कि आज हम साफ पानी और हवा के लिए तरस रहे हैं। बहुत बड़ी आबादी बाजार से पानी खरीदकर पीती है, लेकिन आर्थिक रूप से गरीब लोगों के लिए पानी पर इतना खर्च कर पाना संभव नहीं है, जिसके कारण वह प्रदूषित जल पीने के लिए मजबूर हैं। भविष्य में यह समस्या और ज्यादा विकट न हो, इसलिए हमें पानी सोच समझकर इस्तेमाल करना चाहिए। पानी अनमोल है, इसकी एक एक बूंद कीमती है, इसे बचाना जरूरी है। पानी को बचाने की शुरूआत घर से ही हो सकती है। घरेलू कामकाज में पानी का इस्तेमाल सावधानी से करना चाहिए। जो लोग घर में मोटर बाइक, स्कूटर या अन्य वाहनों की सफाई के लिए खुले पानी का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं होता कि वो कितना पानी बरबाद करते हैं। अगर खुले होज से गाड़ी को धोया जाता है तो इसमें औसतन 5 से 10 गैलन पानी बरबाद होता है। कोई भी वाहन धोएं लेकिन पानी का इस्तेमाल किफायत से करें।

बाल्टी में सर्फ घोलें

- कार के लिए विशेष तौर से बनाये गये कार शैंपू का इस्तेमाल करें। खुले होज की बजाय वाहनों को धोने के लिए नॉनटॉक्सिंस डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। डिटर्जेंट को पानी की बाल्टी में घोलकर पहले कपड़े से उसे अच्छी तरह साफ करने के बाद दूसरी बाल्टी से सादे पानी से वाहन धोएं।
- अपने वाहन को रोज धोने की बजाय हफ्ते में एक या दो बार उसकी पानी से धुलाई करें।
- कार और बाइक की सफाई के लिए स्प्रे का इस्तेमाल किया जाए तो इससे भी पानी की बहुत बचत होती है।
- घर के बड़े वाहन जैसे ट्रैक्टर, ट्रक की सफाई के लिए कपड़ों की धुलाई के बचे पानी का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।
- अपनी कार को महीने या दो महीने में एक बार कमर्शियल कार वाशिंग के लिए ले जाएं। इन कारों को जहां धोया जाता है, उस पानी का दोबारा इस्तेमाल करने की व्यवस्था होती है। उसे रिसाइकिल करके दोबारा इस्तेमाल में लाया जा सकता है।
- यदि होज का इस्तेमाल करना जरूरी हो तो उसमें नोजल लगवाएं ताकि जब जरूरत न हो तो नोजल को बंद करके पानी को बेकार बहने से बचाया जा सके।
- कार को रोज सूखे, साफ और मुलायम कपड़े से साफ करें ताकि उसे धुलाई की कम जरूरत हो।

ताकि जूते उतारते ही नाक दबानी न पड़े

पैरों से बदबू आना एक आम समस्या है। रोज एक ही जूते पहनना, जुराबों को रोज न बदलना, सिंथेटिक जुराबे या कई और वजहों से पैरों की बदबू एक बड़ी समस्या बन जाती है। पैरों में पसीना आने पर नमी और गर्मी से त्वचा का स्पर्श पाते ही बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं। पसीने से पैदा होने वाले बैक्टीरिया और त्वचा की मृत कोशिकाओं के कारण पैरों से बदबू आती है। सर्दियों में मोटी जुराबों के कारण पैरों से पसीना आने के बावजूद कई लोग रोज जुराबें नहीं बदलते। बंद जूतों में लंबे समय तक नमी बनी रहने के कारण भी पैरों से बदबू आती है। इसलिए एक ही तरह के जूते रोज नहीं पहनने चाहिए। हालांकि यह

जरूरी नहीं सबके पास रोज पहनने के लिए जूते अलग अलग हों।

यदि आप अपनी जॉब के अनुरूप जूते पहनते हैं तो पैरों की सफाई रखना ज्यादा जरूरी है। जूते पहनने से पहले पैरों को साफ करने के लिए प्यूमिक स्टोन से रगड़ें ताकि त्वचा की मृत कोशिकाएं पैरों से रिमूव हो जाएं।

काम का ज्यादा प्रेशर या तनाव भी ज्यादा पसीने की वजह बनता है। अंगुलियों के बीच में एंटी फंगल पाउडर लगाना चाहिए। पैरों की बदबू हटाने के लिए क्या करें आइये जानें-

चायः चाय में एक ऐसा एसिड पाया जाता है जो हमारी स्वेद ग्रंथियों को बंद करता है, यह एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक है, जो बैक्टीरिया को नष्ट करता है। थोड़े से पानी में दो टी बैग डालकर 15 मिनट तक रखें और उसमें थोड़ा ठंडा पानी डालकर कम से कम 20 मिनट तक या आधे घंटे तक पैरों को उसमें डुबोकर रखें। इसे एक सप्ताह तक प्रतिदिन करें।

सिरकाः दो बड़े मग पानी में एक मग सिरका डालकर रखें। इस पानी में अपने पैरों को 15 मिनट तक डालकर रखें। यदि आपके पैरों से बदबू आ रही है तो अपने पैरों को धोएं, सुखाएं और एल्कोहल में रूई भिगोकर पैरों पर लगाएं। इस क्रम को रोज दोहराएं।

माउथ वॉशः थोड़ा माउथ वॉश पानी में मिलाकर रखें और इसमें 20 मिनट तक पैरों को डुबोएं।

पाउडरः सूखे पाउडर का इस्तेमाल पैरों की बदबू से निजात पाने के लिए किया जा सकता है। जुराबें पहनने से पहले पैरों पर इसे लगाने के बाद जुराबें पहनें।

बचे हुए खाने से बनाएं लजीज, ताजा व्यंजन

खाने को भले ही हम कितना नाप तोलकर बनाएं, घर में किसी न किसी वजह से खाना बच ही जाता है। यदि ज्यादा खाना बच जाता है तो बचे हुए खाने से दोबारा नये व्यंजन भी तैयार किये जा सकते हैं कैसे, आइये जानें-

बच जाएं जब रोटियां

- रोटियां बच जाती है तो इन्हें तवे पर हल्का सेंककर उन पर थोड़ा मक्खन लगाकर, नमक मिर्च बुरककर चाय या अचार के साथ खाया जा सकता है।
- रोटी या पराठों का चूरमा भी बनाया जा सकता है। रोटियों को तवे पर अच्छी तरह सेंककर उन्हें मिक्सी में दरदरा पीस लें। कढ़ाई में थोड़ा घी डालकर पिसी रोटियों को अच्छी तरह रोस्ट कर-के उसमें पिसी चीनी मिलाएं और खाएं।
- बासी चपातियों से पोहा भी बनाया जा सकता है। इसके लिए चपातियों को सेंकना नहीं होता, नरम चपातियों को मसलकर, कढ़ाही में मसाला भूनकर उसमें सब्जियां और मूंगफली के दानों के साथ मिलाकर बनाया जाता है। पोहे की जगह रोटियों के छोटे टुकड़ों का इस्तेमाल किया जाता है।
- बासी चपातियों को ब्रेड के साथ मिक्स करके उसमें हरी मिर्च, धनिया, नमक, जीरा आदि डालकर उसे स्नैक्स के रूप में खाएं।

दाल

- दाल अकसर बच जाती है, इसे आटे में गुथकर उसमें थोड़ा बेसन, बारीक प्याज काटकर हरी मिर्च, धनिया, नमक और लाल मिर्च तथा थोड़ा मोयन देकर इसका खस्ता पराठा भी बनाया जा सकता है।
- बची हुई दाल का सांभर भी बनाया जा सकता है। बारीक सब्जियों को काटकर उन्हें उबाल लें और पैन में थोड़ा तेल गर्म करके सरसों के दाने, साबूत लाल मिर्च, कढ़ी पत्ता डालकर बची दाल इसमें डाल दें। पकने पर इमली का घोल और सांभर मसाला डालें।

सब्जियां

- बची हुई सब्जियों को दोबारा फ्राई करके उन्हें सेंडविच बनाकर खाया जा सकता है। इसमें कैचअप या शेजवान सॉस मिलाकर इसे और स्वादिष्ट बना सकते हैं।
- सब्जियों को अच्छी तरह मैश करें उन्हें हींग और जीरे में फ्राई करके इससे भरवां परांठे बना सकते हैं।
- यदि घर में कई तरह की सब्जियां बच गई हैं तो इन्हें दोबारा पकाकर अदरक, लहसुन से फ्राई करके मक्खन डालकर इसकी भाजी तैयार कर-के इसे पाव के साथ खाया जा सकता है।
- बची हुई सब्जी को चावल बनाकर उसके साथ भी खाया जा सकता है।

चावल

- बचे हुए चावलों से फ्राइड राइस बना सकते हैं। ताजी सब्जियों को बारीक काटकर कढ़ाही में तेल गर्म करें और उसमें बारीक प्याज काटकर, भूनकर बारीक सब्जियां डालें और बाद में स्वादानुसार नमक मिर्च मिला लें तो स्वादिष्ट फ्राइड राइस तैयार हो जाते हैं।
- बचे चावलों को कुकर में पकाकर, ठंडा करके उसमें खटी दही, और नमक मिलाकर इडली के सांचों में भरकर इससे इडली तैयार की जा सकती है।
- अगर चावल काफी ज्यादा बच गये हों तो उन्हें किसी पात्र में लगभग दोगुना पानी डालकर अच्छी तरह पका लें। उसे घोंटकर पकौड़ों जैसा घोल तैयार करके इसकी फुलवड़ियां बनायी जा सकती हैं। एक सूती कपड़े पर इस मिश्रण को जलेबी या मनचाहे आकार में बनाकर इसे धूप में सुखाएं और शाम के स्नैक्स में इन कुरकुरी फुलवड़ियों का मजा लिया जा सकता है।
- बचे चावलों को अदरक, लहसुन, प्याज टमाटर का मसाला तैयार करके उस मसाले में मिक्स करके मसाला राइस बनाकर खाएं।
- बचे चावलों को दोबारा दोगुने पानी पकाकर उस मिश्रण में जीरा, लाल मिर्च, नमक, कालीमिर्च मिलाकर इसके पापड़ भी तैयार किये जा सकते हैं।
- बचे चावलों से दूध में चीनी मिलाकर इसमें इलायची पाउडर डालकर इसकी स्वादिष्ट खीर भी तैयार की जा सकती है।
- बासी चावलों से पकौड़े तैयार किये जा सकते हैं या इसमें उबले आलू डालकर मसाले मिलाकर कटलेट भी तैयार किये जा सकते हैं जिसे धनिया पोदीने की चटनी से खा सकते हैं।
- इनके अलावा लेमन राइस, इमली वाले चावल, दही वाले चावल, तवा पुलाव, नारियल पुलाव, पनीर फ्राइड राइस पुलाव, स्वीट कॉर्न फ्राइड राइस पुलाव, बंदगोभी पुलाव, मशरूम पुलाव भी बनाये जा सकते हैं।

पौधों की बढ़वार पर बुरा असर डालती है क्षारीय मिट्टी

आप जहां बागवानी करना चाहते हैं या प्लांटर में कुछ उगाना चाहते हैं और किट द्वारा मिट्टी के पीएच लेवल की जांच करते हैं। यदि उसका पीएच लेवल 7 से कम है तो समझिये कि आपकी मिट्टी क्षारीय है।

क्षारीय मिट्टी में सोडियम की मात्रा ज्यादा होती है, जिसके कारण पौधों की बढ़वार नहीं होती। इस तरह की मिट्टी भीगने पर दलदली और सूखने पर ढेलेदार हो जाती है। पतली दरारें पड़ने के कारण इसमें जुताई नहीं हो पाती। इसमें जल सोखने की क्षमता कम होती है। क्षारीयता के कारण इसका रंग काला हो जाता है जिससे इस मिट्टी में दूसरे पोषक तत्व जैसे नाइट्रोजन तथा कैल्शियम की कमी होती है, ऐसी मिट्टी में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स या तो बहुत ज्यादा पाये जाते हैं या बहुत कम। इसमें जिंक की कमी एक आम लक्षण है। मिट्टी एसिड है, इसकी पहचान दूसरी तरह से भी की जा सकती है। आपके गार्डन के आसपास या गार्डन के ही भीतर इधर-उधर जमी खरपतवार भी इस बात का संकेत देती है कि मिट्टी क्षारीय है।

बहुत सारे ऐसे प्लांट हैं जिन्हें जमने के लिए हल्की क्षारीय मिट्टी होनी चाहिए यानी जिसका पीएच लेवल 6.5 तक होता है। अगर आपकी मिट्टी का पीएच स्तर 6 से भी कम है तो आपको उसमें लाइम मिलानी पड़ती है।

- **पौधों का चयन :** यदि मिट्टी का पीएच मान 4 से 6.5 के बीच में है तो उसमें ऐसे पौधे लगाएं, जिनकी वृद्धि के लिए इतने पीएच मान की जरूरत होती है। अगर आप मिट्टी को बदलने के लिए इसमें लाइम मिला रहे हैं तो थोड़ी सी जगह पर लाइम न डालें। उस जगह पर आप क्षारीय मिट्टी में उगने वाले पौधे लगा सकते हैं।

- **पौष्टिकताः** लाइम मिलाने के बाद आप गार्डन में अगर नये पौधे लगाते हैं तो उसमें फास्फोरस और पोटाश युक्त खाद डालनी चाहिए और इसे बार बार डालें; क्योंकि मिट्टी में मौजूद क्षार के कारण पौधों को प्राप्त पोषण मिल नहीं पाता। हर छह सप्ताह के बाद गार्डन की जमीन के बराबर बराबर भाग करके इसमें इस तरह के फर्टिलाइजर डालते रहना चाहिए।
- **मिट्टी की जांचः** सल्फेट ऑफ अमोनिया और पोटाश सल्फेट जैसे फर्टिलाइजर का मिट्टी पर बुरा असर होता है। यदि आप इस तरह के फर्टिलाइजर नियमित डालते हैं तो हर साल मिट्टी के पीएच स्तर की जांच करानी चाहिए ताकि आपके पौधों को जितने पीएच मान की जरूरत होती है, इसके माध्यम से उसका पता लगाया जा सके। मिट्टी में अगर हर साल पत्तों की खाद डाली जाती है और उसमें क्षारीय मिट्टी में बढ़ने वाले पौधे लगाये जाते हैं तो ऐसी स्थिति में मशरूम का कंपोस्ट नहीं डालना चाहिए। हालांकि यह कंपोस्ट आर्गेनिक होती है, इसमें लाइम होता है, जो पौधों को खराब कर सकता है।
- **कौन-सी मिट्टी होती है सही :** गार्डनिंग के लिए अच्छी मिट्टी वह मानी जाती है जो नमी को बनाए रखे, हवा और पानी को अच्छी तरह से अवशोषित कर सके, जिसमें पौधों के लिए सभी जरूरी पोषक तत्व उपलब्ध हो। देश के कई ऐसे हिस्से हैं जहां पर इस तरह की मिट्टी का मिलना मुश्किल है लेकिन अच्छी बात यह कि इस मिट्टी को हम अपने घर पर खुदसे भी तैयार कर सकते हैं। इसके लिए कई अन्य चीजों को जोड़कर एक सही मिश्रण बनाना होता है। गार्डनिंग के लिए सामान्य तौर पर दोमट मिट्टी को सबसे बेहतर माना जाता है। दोमट मिट्टी में चिकनी मिट्टी के साथ रेत और गाद की सही मात्रा होती है। जिसकी वजह से यह मिट्टी नमी को बनाये रखने में सहायक होने के साथ उचित जल निकासी में सहायक होती है। यह कई तरह के पोषक तत्वों और कार्बनिक पदार्थ से भरपूर होती है। गार्डनिंग के लिए जैविक खादों की बहुत ही ज्यादा उपयोगिता होती है। यही कारण है कि काम्पोस्ट और वर्मी कम्पोस्ट खाद बहुत ज्यादा उपयोग होता है। यह मिट्टी को उपजाऊ बनाने में सहायक होती है। वर्मी कम्पोस्ट में पौधों के लिए सभी उपयोगी पोषक तत्व पाए जाते हैं। मिट्टी तैयार करते समय आप कुछ मात्रा में जैविक उर्वरक का प्रयोग कर सकते हैं। जैविक उर्वरक की खास बात यह कि ये एनपीके के अच्छे स्रोत होते हैं। यह रासायनिक खादों की तुलना में पौधों को बहुत धीमी गति से पोषक तत्व प्रदान करते हैं।

लघुकथा

कंजूस का नारियल

> अब पांचों एक दूसरे को पकड़कर लटक रहे थे। कंजूस पर सबका भार पड़ रहा था। अतः वह बोला- आप सबका वजन मेरे ऊपर आ रहा है और मैं भार से मरा जा रहा हूं। मेरे हाथ छूटने को हो रहे हैं।

श्रीमान् कंजूस को एक नारियल खरीदना था। दुकानदार ने कीमत बताई दो रूपये। बोले-बहुत महंगा है। अगली दुकान पर तो डेढ़ रूपये में मिलता है। दुकानदार बोला- वहीं से ले लो।

दूसरे दुकानदार ने कहा-मैं तो डेढ़ रूपये से कम नहीं लूंगा। सस्ता चाहिये तो अगली दुकान पर जाओ। वह तीसरी दुकान पर पहुंचा। उसने कहा-मैं तो एक रूपये से कम नहीं लूंगा। सस्ता चाहिये तो अगली दुकान पर जाओ। श्री कंजूस चौथी दुकान पर पहुंचे। वह बोला-मैं तो एक रूपया से कम न लूंगा। कंजूस ने कहा-इससे सस्ता नहीं है? वह बोला- वो देखो, वे रहे नारियल के वृक्ष। उन पर चढ़ जाओ और मुफ्त में नारियल तोड़ लो। उसने आव देखा न ताव, झाड़ पर चढ़ गया और नारियल तोड़ लिया पर उतरते समय नानी याद आने लगी। डर के मारे बीच में ही लटक गया चिल्लाने लगा बचाओ-बचाओ, मैं गिर पड़ूंगा। इतने में उधर एक ऊंट वाला निकला। उसने कहा-मैं तुम्हारी टांग पकड़ता हूं। तुम धीरे से उतर जाओ किन्तु जैसे ही उसने कंजूस की टांग पकड़ी, ऊंट चल दिया। वे दोनों लटकते रह गये। थोड़ी देर में उधर से एक हाथी वाला निकला। उसने कहा-मैं तुम्हारी टांग पकड़ता हूं। तुम दोनों धीरे से नीचे आ जाना पर जैसे ही उसने टांग पकड़ी, हाथी आगे बढ़ गया। अब वे तीनों लटक गये और बचाओ बचाओ करने लगे।

इतने में इधर से एक घोड़ा वाला आया। उसने भी ज्यों ही उतारने के लिये टांग पकड़ी, उसका घोड़ा निकल गया। वे चारों ओर जोर से चिल्लाने लगे। उनकी आवाज सुनकर एक गधा वाला वहां पहुंचा। उसने जैसे ही टांग पकड़कर उन्हें नीचे उतारना चाहा। गधा चिल्लाने आवाज सुनकर डर गया और भाग निकला।

अब पांचों एक दूसरे को पकड़कर लटक रहे थे। कंजूस पर सबका भार पड़ रहा था। अतः वह बोला-आप सबका वजन मेरे ऊपर आ रहा है और मैं भार से मरा जा रहा हूं। मेरे हाथ छूटने को हो रहे हैं। नीचे वाले बोले- अरे भाई ऐसा मत करना नहीं तो हम सबके सब मारे जायेंगे। कंजूस बोला-ठीक है, तो मेरे द्वारा आप सबको बचाने की फीस तो तय करो। उनमें एक ने कहा-यदि तुम हाथ नहीं छोड़ोगे तो हम तुम्हें सौ-सौ रूपया देंगे। कंजूस ने खुशी-खुशी बात मान ली किन्तु वह निन्यानवे के चक्कर में फंस गया और सोचने लगा- मेरे नीचे बहुत आदमी लटक रहे हैं। हरेक मेरे को सौ-सौ रूपये देंगे तो मेरे पास कितने रूपये इकट्ठे हो जायेंगे? वह कम पढ़ा लिखा तो था ही, अंगुलियों के पैरों पर अंगूठे को घुमाकर जोड़ने लगा- गधे वाले के सौ रूपये, घोड़े वाले के सौ रूपये, हाथी वाले के सौ तथा ऊंट वाले के सौ किन्तु गिनते गिनते एक हाथ ढीला हो गया, दूसरा वजन न सम्भाल सकने के कारण छूट गया और वे सबके सब धड़ाम से नीचे आ गये।

खास खबर...

कांकेर जिले के नवपदस्थ कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर से वरिष्ठ पत्रकार एवं भाजपा कार्यकर्ता गणेश तिवारी ने की सौजन्य मुलाकात

श्रमबिन्दु / कांकेर

कांकेर जिले के नव सदस्य कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर से वरिष्ठ पत्रकार एवं भाजपा कार्यकर्ता गणेश तिवारी ने सौजन्य मुलाकात कर पुष्प गुच्छ एवं साई बाबा की प्रतिमा भेंट की..नवपदस्थ कलेक्टर श्री नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर कांकेर जिले के 22 वें कलेक्टर हैं। श्री क्षीरसागर वर्ष 2011 बैच के आई.ए.एस.अधिकारी हैं। इसके पहले उन्होंने अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के तौर पर सेवायें दी हैं। श्री क्षीरसागर ने जशपुर, गरियाबंद और महासमुंद जिले के कलेक्टर के पद पर भी अपनी सेवाएं दी हैं।

आयुर्वेद अस्पताल में 275 बच्चों का हुआ स्वर्ण प्राशन

बिलासपुर। बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने आज सरकंडा नूतन कालोनी स्थित शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, बिलासपुर के बाल रोग विभाग की ओर से आज पुष्य नक्षत्र के अवसर पर 275 बच्चों का स्वर्णप्राशन हुआ। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में हर पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से सोलह वर्ष तक के बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया जाता है। सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। अगला स्वर्ण प्राशन 8 जुलाई को सवेरे 9 से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। स्वर्ण प्राशन से बच्चो की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है, उनके शारीरिक तथा मानसिक विकास में मददगार साबित होता है। इसके साथ ही बच्चों में एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ाने में भी अत्यंत लाभकारी है। चिकित्सालय के बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. विद्या भूषण पाण्डेय ने बताया कि इसके नियमित प्रयोग से बच्चों की मेधा एवं स्मृति का वर्धन भी होता है। इस की प्रमाणिकता वैज्ञानिक आधार पर सिद्ध हो चुकी है। आने वाले प्रत्येक माह के पुष्य नक्षत्र में यह स्वर्ण प्राशन बाल रोग विभाग में किया जाना प्रस्तावित है। जिसकी सूचना विभाग से ली जा सकती है। विभाग की ओर से विगत वर्ष 2023 में 18 पुष्य नक्षत्रों में स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे कुल 2 हजार 8 सौ 50 बच्चों ने लाभ प्राप्त किया। वर्ष 2024 में अब तक 1500 बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया गया है। जिन बच्चों को लगातार स्वर्ण प्राशन कराया गया उनकी वजन और ऊंचाई में बेहतर फर्क देखने को मिला है, साथ ही उनकी बौद्धिक क्षमता में भी विकास पाया गया है। इस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य डा रक्षपाल गुप्ता जी के निर्देशन में बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डा विद्या भूषण पांडेय द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम के आयोजन में इंटर्न बुशरा, शिवानी तथा चिकित्सालय कर्मी कुलदीप जांगड़े, खुलावन ध्रुव एवं महेश चौहान का विशेष सहयोग रहा।

महापौर ने ली विभागीय प्रमुखो की बैठक

स्वीकृत निर्माण कार्य प्रारंभ कराने, बारिश पूर्व बड़े नाला नालो की सफाई कराने तथा शासन लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली के दिये निर्देश

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

लोकसभा निर्वाचन के लिये जारी आदर्श आचार सहिता समाप्त होते ही महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख ने आज अपने कक्ष में निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता की उपस्थिति में विभागीय प्रमुखो की बैठक लेकर स्वीकृत निर्माण कार्य प्रारंभ करने के अलावा बिजली, पानी, सफाई जैसे आवश्यक सुविधा संबंधी शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिये।

महापौर श्रीमती देशमुख ने बैठक में विभागीय प्रमुखों से कहा कि कुछ ही दिनों में बारिश आ जायेगी, साथ ही वर्ष के अंत में नगरीय निकाय चुनाव होगा जिसे ध्यान में रखते हुये सभी स्वीकृत कार्य प्रक्रिया कर जल्द प्रारंभ कराये, चालू कार्य समय सीमा में पूर्ण कराये। उन्होने आयुक्त श्री गुप्ता से कहा कि योजना के कार्य राज्य प्रवर्तित योजना, सांसद विधायक निधि, महापौर, पार्षद निधि के कार्यो को प्राथमिकता देते हुये समय में करावे, जिन कार्यो की निविदा जारी हो चुकी है, उन कार्यो की शेष प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य प्रारंभ कराये। जिनकी निविदा नहीं हुयी है, उसकी निविदा जारी करे, वार्डो के स्वीकृत कार्य तथा डामरीकरण, पेचवर्क के शेष कार्य बारिश के पूर्व पूर्ण करावे। मुख्यमंत्री घोषणा के कार्यो में तेजी लावे, मोहारा पुन्नी मेला स्थल, सामाजिक भवन निर्माण सहित अन्य कार्य गुणवत्ता के साथ जल्द पूर्ण करावे, ताकि उसका लाभ समाज व संबंधितों को मिल सके। जिन ठेकेदारों के द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जा रही है, उन्हें नोटिस देवे।

महापौर श्रीमती देशमुख ने कहा कि बारिश के पूर्व सभी नाली नालो की अच्छे से सफाई करावे। इंदिरा नगर नाला, बसंतपुर जिला चिकित्सालय के पास के नालो की जे.सी.बी. के माध्यम से पूरी तरह सफाई करावे, बड़ी तदात में झिल्ली पन्नी फसने रोकने यथा संभव जाली लगावे। पानी भरान वाले क्षेत्रों के नाली नालो की अच्छी तरह से सफाई करावे, बरसाती पानी निकासी का उचित प्रबंध करे। उन्होंने कहा कि सभी सफाई कर्मचारी निर्धारित समय तक कार्य करे, वार्ड प्रभारी, सफाई दरोगा एवं स्वच्छता निरीक्षक प्रतिदिन मानिटरिंग करे।

महापौर श्रीमती देशमुख ने विद्युत प्रभारी को वर्षा ऋतु के पूर्व शहर में विद्युत व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिये। उन्होंनें कहा की शहर की सभी लाईटे सुधार करे, जहॉ लाईट खराब की शिकायत प्राप्त हो रही है, वहा प्राथमिकता से सुधार कार्य करे। उन्होंने जल प्रभारी से कहा कि कम पानी व गंदे पानी आने की शिकायतों का त्वरित निराकरण करे, जिन क्षेत्रों में अमृत मिशन से संबंधित कार्य शेष है,उसे जल्द पूर्ण कराये, जिन घरों में नल कनेक्शन नहीं हुआ है वहा विधिवत कनेक्शन देवे। प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यो की प्रगति की जानकारी लेकर हितग्राहियों के खाते में समय में पैसा डालने के निर्देश दिये, उन्होने कहा कि चुकि आचार सहिता खत्म हो चुकी है, अतः नये आवेदन जमा करावे, प्राप्त आवेदनों की जॉच कर लाटरी के माध्यम से नियमानुसार आवास का आबंटन करे।

महापौर श्रीमती हेमा देशमुख ने राजस्व वसूली की जानकारी लेकर कम वसूली पर शासन लक्ष्य के अनुरूप माहवार राजस्व वसूली करने के निर्देश दिये, उन्होंने कहा कि नव निर्मित मकानों, नये नल कनेक्शन के आधार पर डिमाण्ड तैयार कर सम्पत्तिकर जलकर वसूले तथा दुकान किराया की नियमित वसूली करे, लम्बे समय से बकाया दुकान किराया पर दुकानदार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होनें राशन कार्ड के संबंध में कहा कि राशन कार्ड बनाने, नाम जोडने हटाने संबंधी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करे, इसके अलावा राशन कार्ड के लिये दिये जा रहे आवेदन लेकर राशन कार्ड बनाने विधिवत प्रक्रिया करे। इसी प्रकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन के प्रकरणों को भी शीघ्रता से पूर्ण करे, ताकि हितग्राहियो को लाभ मिल सके।

कलेक्टर ने अनन्य अग्रवाल को जेईई एडवांस में 261 रैंक लाने पर प्रशस्ति पत्र भेंट कर किया सम्मानित

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

राजनांदगांव 10 जून 2024। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज कलेक्टर कक्ष में ऑल इंडिया जेईई एडवांस में 261 रैंक लाने पर श्री अनन्य अग्रवाल को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने श्री अनन्य को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि श्री अनन्य अग्रवाल ने अपनी इस उपलब्धि से जिले का नाम गौरवान्वित किया है। उल्लेखनीय है कि श्री अनन्य अग्रवाल राजनांदगांव शहर के किराना व्यापारी श्री ओमप्रकाश अग्रवाल एवं श्रीमती दीप्ति अग्रवाल के पुत्र हैं। श्री अनन्य ने बताया कि वे राजनांदगांव के निजी स्कूल से 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने नागपुर के निजी कोचिंग सेंटर से जेईई की कोचिंग की और प्रथम प्रयास में ही जेईई एडवांस उत्तीर्ण किया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अभय जायसवाल ने भी उन्हें इस सफलता के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर सहायक संचालक श्री आदित्य खरे, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री नितिन हिरवानी, परीक्षा प्रभारी शिक्षा विभाग श्री अभिषेक श्रीवास्तव उपस्थित थे।

किसानों और ग्रामीणों के सच्चे साथी बनेंगे दामिनी और मेघदूत

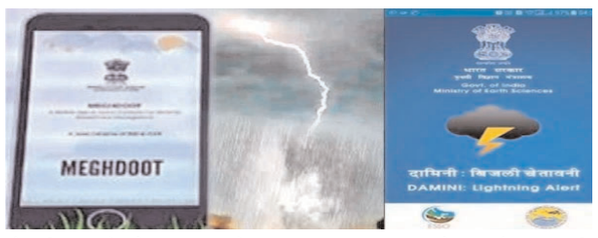

श्रमबिन्दु / रायपुर

किसानों और ग्रामीणों के दो सच्चे साथी अब हमेशा उनके साथ रहेंगे। एक उन्हें मौसम संबंधी जानकारी से लैस करेगा, तो दूसरा आकाशीय बिजली की कहर से बचाएगा। छत्तीसगढ़ में मानसून की दस्तक के साथ ही खेती-किसानी का काम-काज शुरू हो जाता है। किसान भाई मौसम संबंधी सटीक जानकारी के लिए मेघदूत और आकाशीय बिजली से जनहानि और पशुहानि से बचाव के लिए दामिनी एप्प का सहारा ले सकते हैं।

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने इन दोनों एप्प को लॉन्च किया है। इसे गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से किसी भी एंड्राइड मोबाईल पर डाउनलोड किया जा सकता है। छत्तीसगढ़ सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा सभी कलेक्टरों को राजस्व विभाग और अन्य विभागों के मैदानी अमले के माध्यम से इन दोनों ही एप्प का प्रचार-प्रसार करने के साथ ही गांवों में मुनादी करने के निर्देश दिए गए हैं।

खेती-किसानी के सीजन में किसानों के लिए मौसम की सटीक जानकारी आवश्यक होती है, इससे खेती-किसानी का काम-काज व्यवस्थित और सुचारू ढंग से करने में मदद मिलती है। मेघदूत एप्प के माध्यम से किसान भाई मौसम पूर्वानुमान जैसे तापमान, वर्षा की स्थिति, हवा की गति एवं दिशा इत्यादि की जानकारी मिलेगी, जिससे किसान अपने क्षेत्र की मौसम से संबंधित पूर्वानुमान की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मानसून के दौरान ही आकाशीय बिजली की घटनाओं का सिलसिला शुरू हो जाता है, इसके कारण अधिक संख्या में जन एवं पशु हानि की सूचनाएं प्राप्त होती है। इन घटनाओं में कमी लाने और लोगों को सचेत करने के लिए दामिनी एप्प तैयार किया गया है। इस एप्प के माध्यम से 20 से 31 किलोमीटर के दायरे में आकाशीय बिजली का पूर्वानुमान मिल जाएगा। इससे पशुहानि और जनहानि को रोकने में मदद मिलेगी।

ऐसे बनती है आकाशीय बिजली

जब ठंडी हवा संघनित होकर बादल बनती है तब इन बादलों के अंदर गर्म हवा की गति और नीचे ठंडी हवा के होने से बादलों में धनावेश (पॉजिटिव चार्ज) ऊपर की ओर एवं ऋणावेश (निगेटिव चार्ज) नीचे की ओर होता है। बादलों में इन विपरीत आवेशों की आपसी क्रिया से विद्युत आवेश उत्पन्न होता है। इस प्रकार आकाशीय बिजली उत्पन्न होती है। फिर धरती पर पहुंचने पर आकाशीय बिजली बेहतर चालक को तलाशती हैं, जिससे वह गुजर सके। इसके लिए धातु और पेड़ उपयुक्त होते हैं। बिजली अक्सर इन्हीं माध्यमों से पृथ्वी में जाने का रास्ता चुनती है। इसलिए बरसात के दिनों में लोग बिजली के खंभों, पेड़ों और धातुओं से दूर रहना चाहिए तथा बिजली के उपकरणों का प्रयोग सावधानीपूर्वक करें। जितना हो सके आकाशीय बिजली की स्थिति में मोबाइल का उपयोग नहीं किया जाए।

घर से जेवरात चोरी करने वाले को पकड़ने में डोंगरगढ़ पुलिस को मिली सफलता

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

प्रार्थीया ममता इंदुरकर पति संदीप इंदुरकर उम्र 36 साल निवासी भीमनगर डोंगरगढ़ ने दिनांक 07.06.2024 को रिपोर्ट दर्ज कराया था कि दिनांक 01.05.24 से 27.05.24 के मध्य किसी अज्ञात आरोपी द्वारा सोने चांदी के जेवरात कुल किमती- 150000/-रू0 को चोरी कर ले गया है कि रिपोर्ट पर अपराध क0- 332/2024 धारा 380 भादवि0 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अज्ञात आरोपी के पता तलाश एवं विवेचना हेतु श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय राजनांदगांव श्री मोहित गर्ग एवं अति पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राहुल देव शर्मा व श्रीमान पुलिस अनुविभागीय अधिकारी महोदय डोंगरगढ़ श्री आशिष कुंजाम से विवेचना हेतु दिशा-निर्देश प्राप्त करतत्काल निरीक्षक सी0आर0 चन्द्रा द्वारा घटना की गंभीरता को देखते हुये लगातार पता तलाश किया जा रहा था। कि मुखबीर की सूचना पर संदेही नाबालिक लड़की एवं संदेही से पूछताछ करने जुर्म स्वीकार किये। जिसे पुछताछ करने पर पता चला कि दोनो में यारी दोस्ती होने व घुमने फिरने में खर्च करने हेतु पैसो की आवश्यकता होने के कारण सोने चांदी के जेवरात चोरी कर अपने दोस्त को देना जिसमें से कुछ सोने के समान को गिरवी रखना व कुछ समान को बेच देना बताये। प्रकरण में नाबालिक बालिका एवं आरोपी रौनक सिंह राजपूत पिता निसिथ सिंह राजपूत उम्र 24 साल निवासी डोंगरगढ़ थाना डोंगरगढ़ के बताये अनुसार जेवरात को बरामद किया जाकर गिरफ्तार किया गया है। जिन्हे ज्यु0 रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी डोंगरगढ़ निरीक्षक सी0आर0 चन्द्रा, सउनि0 एस.एम.कुरैश, प्र0आर0-अखिल अम्बादे, आरक्षक प्रयंश सिंह, चंद्रप्रताप सिंह, चन्द्रकांत सोनी, मनोज हरमुख, एवं म0 आर0- श्रद्धा बाघमारे, का विशेष योगदान रहा है।

महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए आवश्यक दिशा- निर्देश

श्रमबिन्दु / कोरिया

आज कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। श्री लंगेह ने राज्य सरकार की महत्वपूर्ण 'महतारी वन्दन योजना' की समीक्षा करते हुए कहा कि किसी भी हालत में पात्र हितग्राही न छूटे इस बात की विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों के खाते में राशि समय पर पहुंचे इसके लिए उनके खाते का सही परीक्षण करें कमी व त्रुटि होने पर आवश्यक सुधार करने के लिए पहल करें। त्रुटिवश अपात्र या किसी अन्य के खाते में राशि न जाए इस बात की विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं।

श्री लंगेह ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों को नियमित रुप से खोलने के निर्देश देते हुए कहा कि सेक्टर सुपरवाइजर की जिम्मेदारी है कि सभी बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें साथ ही नियमित रूप से 4-5 आंगनवाड़ी केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करें, साफ-सफाई रखें। श्री लंगेह ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में संधारित पंजियों का संधारण व्यवस्थित रखें, बच्चों को दिए जाने वाले आहार, गर्म भोजन, पौष्टिक व गुणवत्तायुक्त हो।

श्री लंगेह ने कहा कि कुपोषण दर को कम करने के लिए मैदानी इलाकों से लेकर दूरस्थ गांवों में जाकर मुवायना करें ताकि जिले से कुपोषण दर को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि गर्भवती व एनीमिया पीड़ित महिलाओं को गर्म भोजन, अंडा आदि नियमित रूप से दिया जाए। श्री लंगेह ने सभी पर्यवेक्षको से कहा कि कुपोषण को दूर करने के लिए एक विशेष कार्य योजना तैयार कर कार्य करें। तीन माह में कुपोषण दर में कमी लाने पर सम्मान किया जाएगा।

श्री लंगेह ने आंगनवाड़ी भवनों के बारे में जानकारी प्राप्त की। जानकारी के मुताबिक जिले में 547 आंगनवाड़ी भवन स्वीकृत हैं। कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि जहां आंगनवाड़ी भवन निर्मित नहीं है या अधूरे हैं, उसकी सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने आंगनवाड़ी एवं मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों की जानकारी लेते हुए शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देष दिए। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनिमितता न हों। इसके लिए शासन द्वारा निर्धारित नियमानुसार भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देष दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अरुण कुमार मरकाम, महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री मनोज खलको, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन अभियंता श्री आभाष सिन्हा, बैकुंठपुर व सोनहत जनपद पंचायत के सीईओ श्री अलेक्जेंडर पन्ना, श्री मनोज सिंह जगत, बैकुंठपुर व सोनहत जनपद पंचायत के ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अनुविभागीय अधिकारी सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के सुपरवाइजर उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम भिलाई - चरौदा, जिला - दुर्ग (छ.ग.)

क्रमांक / सम्पदा / 2024/282 भिलाई - चरौदा, दिनांक 10/06/2024

// फ्री होल्ड हेतु दावा आपत्ति सूचना //

छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन, अटल नगर रायपुर के आदेश क्रमांक एफ 8-5/2022/18 विभाग के सम संख्यक आदेश दिनांक 06.07.2022 द्वारा नगरीय निकाय तथा पूर्व विघटित विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा स्वयं के आधिपत्य के 30 वर्षीय लीज होल्ड पर आबंटित/व्यवस्थापित आवासीय भूखंड/भवन को फ्री होल्ड के रूप मे संपरिवर्तित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

फ्री होल्ड के रूप मे संपरिवर्तन के लिये निम्नांकित भूखंडधारियों द्वारा आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिस पर नियमानुसार कार्यवाही कर फ्री होल्ड के रूप में संपरिवर्तन किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध मे किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद में प्रस्तुत दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्र.	पट्टाधारी का नाम पिता/पति का नाम	योजना का नाम	सेक्टर/ब्लाक भू./म.क्र	आकार जिसका फ्री होल्ड किया जाना है।
1	श्री जगदीश प्रसाद सोनी/श्री गौरीशंकर सोनी ,नि.-भि..-03	कब्जा व्यव. इंदिरापारा भिलाई-03	-	भूखंड का आकार 582.65 वर्गफूट
2	श्रीमती छोटी बाई सोनी/श्री जगदीश प्रसाद सोनी,नि.-भि.-03	कब्जा व्यव. इंदिरापारा भिलाई-03	-	भूखंड का आकार 71.10 व.मी.
3	श्री शेषनारायण चंद/स्व. कृष्णा चंद, व अन्य 01,,नि-भि.-03	वसुन्धरा नगर उ.आ.यो. भिलाई-03	13ए/6	15×24 मी. =360 व.मी.
4	श्रीमती योगिता साठवने/श्री राकेश साठवने,, नि.-भि.-03	विश्व बैंक आ.यो. भिलाई-03	3/17/26	4×9 मी. =36 व.मी.
5	श्री राकेश साठवने/श्री रामकृष्ण साठवने,नि.-भि.-03	विश्व बैंक आ.यो. भिलाई-03	1/10/5	3.75×12 मी. =45 व.मी.
6	श्री उमेश कुमार पटेल /श्री निर्मया राम पटेल,,नि.-भिलाई	विश्व बैंक आ.यो. भिलाई-03	3/22/22	3.75×12 मी. =45 व.मी.
7.	श्री जीवन चन्द्राकर/स्व. एफ. आर. चन्द्राकर, नि.- भि-.03	वसुन्धरा नगर उ.आ.यो. भिलाई-03	13/6	15×24 मी. =360 व.मी.
8.	श्रीमती मंजूरानी माखिजा/शादी लाल माखिजा,,नि.- चरौदा	वसुन्धरा नगर उ.आ.यो. भिलाई-03	13A/2	15×24 मी. =360 व.मी.
9	श्री उत्तम चंद जैन/स्व.नेमीचंद जैन, नि.-भि.-03	वसुन्धरा नगर द.आ.यो. भिलाई-03	20/5	15×30 फू. =450 व.फू.
10.	श्री नारायण छतिजा/अट्टूमल छतिजा, नि.-भि.-03	वसुन्धरा नगर उ.आ.यो. भिलाई-03	8/16, 3	15.×24 मी. =360 व.मी.
11.	श्री रामचन्द रावलानी/स्व. सुन्दर लाल रावलानी, व अन्य 01, नि.-भि.-03	वसुन्धरा नगर उ.आ.यो. भिलाई-03	13/3	15.×24 मी. =360 व.मी.
12.	श्री पुष्कर चन्द्राकर/दयानंद चन्द्राकर, नि.-महासमुंद	विश्व बैंक आ.यो. भिलाई-03	3/26/05	9×15 मी. =135 व.मी.
13.	श्रीमती प्रिया जैन/धर्मेन्द्र जैन, नि.-भिलाई	वसुन्धरा नगर द.आ. सह,व्यव. भिलाई-03	8A/2	15.×24 मी. =360 व.मी.
14.	श्री प्रताप सिंह निर्मलकर/बरातु राम निर्मलकर, नि.-भि.-03	कब्जा व्यवस्थापन, जी. ई.शांतिपारा, भिलाई-03	-	405.32 व.फू.
15.	श्री लिंगाराजू सेनापति/परसराम, नि.-भि-03	मानसरोवर आ. यो. भिलाई-03	5/10	6×12 मी. =72 व.मी.
16.	श्री ज्ञानेन्द्र सिंह /श्री इन्द्रपाल सिंह, नि.-भि-03	विश्व बैंक आ.यो. भिलाई-03	1/25/13	3.75×12 मी.= 45 व.मी.
17.	श्री रामेश्वर प्रसाद साहू /सी. एल. साहू, नि.-भिलाई	मानसरोवर आ. यो. भिलाई-03	1सी/8	9×15 मी. =135 व.मी.

- गांधी जी का यहीं संदेश,
  - स्वच्छ बने अपना भारत देश।

आयुक्त
नगर पालिक निगम
भिलाई - चरौदा

शासकीय सड़क पर अवैध कब्जा कर दिवाल निर्माण की कलेक्टर से की शिकायत

आदर्श आचरण संहिता शिथिल होने के पश्चात जनदर्शन कार्यक्रम में लगी लोगों की भीड़

श्रमबिन्दु / दुर्ग

लोकसभा चुनाव 2024 पूर्ण होने एवं आदर्श आचरण संहिता शिथिल होने के पश्चात प्रति सोमवार आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिले के विभिन्न स्थानों से आवेदन लेकर पहुंचें लोगों से समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही करने के लिए आवश्यक पहल करने को कहा।

चरोदा भिलाई निवासी अंकिता मौर्या, नेशनल लेवल की तीरंदाज खिलाड़ी ने अपनी खेल प्रतिभा को निखारने हेतु खेल सामग्री के लिए आर्थिक मदद की मांग की। आवेदन लेकर पहुंची कुमारी मौर्या ने कलेक्टर को बताया कि वह सब जूनियर और सीनियर नेशनल में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर चुकी है। खेलो इंडिया ईस्ट जोन में पदक लेने वाली छत्तीसगढ़ की पहली खिलाड़ी है। उन्होंने बताया कि घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह खेल उपकरण खरीदने में असमर्थ है। नेशनल मैच में भाग लेने के लिए प्रैक्टिस हेतु खेल उपकरणों की आवश्यकता है। इस पर कलेक्टर ने खेल विभाग के अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। कोहका भिलाई के मोहल्लेवासियों ने निगम द्वारा निर्मित सीमेंटीकरण रोड पर अवैध कब्जा कर अन्य व्यक्ति द्वारा दिवाल खड़ा करने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि रोड को बंद करने की मंशा से बांस बल्ली लगा दिया गया है, जिससे रोड से गुजरने वाले आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने नगर निगम भिलाई को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जामुल वार्डवासियों ने बरसात के पूर्व गढ्ढों पर मुरूम डलवाने के लिए आवेदन सौंपा। वार्ड क्रमांक 5 आवासीय क्षेत्र एवं जामुल शीतला पब्लिक स्कूल एवं इंडियन पब्लिक स्कूल के आसपास बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण बरसात में पानी भरने के कारण स्कूल बच्चों व वार्डवासियों को आवागमन में असुविधा होती है। साथ ही स्कूल के पास सार्वजनिक नाली बना हुआ है, जिसमें आने-जाने के लिए नाली के ऊपर स्लेब बनाया गया है, जो कि अत्यंत जर्जर हो गया है। जर्जर होने के कारण आम जनता को आने जाने में परेशानी हो रही है। इस पर कलेक्टर ने नगर पालिका जामुल को निरीक्षण कर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्राम गोंडपेंडरी के किसानों ने सिंचाई सुविधा हेतु पाईप लाईन बिछाने के लिए आवेदन सौंपा। किसानों ने बताया कि ग्राम गोंडपेंडरी एवं मानिकचौरी के लगभग 100 किसानों को गोंडपेंडरी नहर से सिंचाई हेतु पानी मिलता है। भारत माला परियोजना के तहत सड़क निर्माण हो जाने पर लगभग 300 एकड़ खेतों में नहर का पानी नही मिल पाएगा, जिससे जमीन बंजर हो जाएगा और किसानों को आर्थिक नुकसान होगा। किसानों ने सड़क निर्माण होने के पूर्व सिंचाई हेतु आरसीसी पाईप लगवाने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम पाटन को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। आर्थिक सहायता, रोजगार उपलब्ध कराने, राशन कार्ड बनाने, अवैध कब्जा, मुआवजा राशि, पेयजल सहित आज जनदर्शन में 130 आवेदन प्राप्त हुए।

प्रधानमंत्री नि:शुल्क डायलिसिस योजना अंतर्गत एस्काग संजीवनी द्वारा डायलिसिस यूनिट का संचालन

श्रमबिन्दु / दुर्ग

जिला चिकित्सालय दुर्ग में प्रधानमंत्री नि:शुल्क डायलिसिस योजना के अंतर्गत मात्र 02 डायलिसिस मशीने थी, इस नि:शुल्क डायलिसिस योजना के अंतर्गत एस्काग संजीवनी द्वारा डायलिसिस यूनिट का संचालन किया जा रहा है। पूर्व में सिर्फ50-55 डायलिसिस हो पाता था। सिविल सर्जन डॉ. हेमंत साहू से मिली जानकारी अनुसार नि:शुल्क डायलिससस प्रोगाम के अंतर्गत फेयर फैक्स ट्रस्ट द्वारा वर्ष 2019 में जिला चिकित्सालय दुर्ग को 05 मशीने प्राप्त हुई है। जिसमें वर्तमान में 350-400 डायलिसिस प्रति माह हो रहे है। जिला चिकित्सालय द्वारा आयरन सुक्रोस जिसकी कीमत 350-400 रूपये है, जिसे रोगियों को नि:शुल्क प्रदाय किया जाता है। जिसे समय-समय पर शासन द्वारा प्राप्त होने पर इंजेक्शन एरिथ्रोपोइटिन भी रोगियों को नि:शुल्क दिया जाता है। जिसकी बाजार में कीमत 1800-2000 रूपये है। वर्तमान में किडनी के गंभीर मरीजों को डायलिससस नोडल ऑफिसर डॉ. देवेन्द्र साहू द्वारा सेंट्रल लाइन लगाया जा रहा है, जिससे रोगियों को बाहर नहीं जाना पड़ता है। यहां हेपेटाइटीस-सी के रोगियों को शासन स्तर से प्राप्त मेडिसिन भी नि:शुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसका बाजार मूल्य 10-15 हजार रूपये है। जिला चिकित्सालय दुर्ग में प्रतिमाह लाभांवित मरीजों की संख्या 38-40 एवं प्रतिमाह डायलिसिस 350-400 होता है एवं प्रतिवर्ष लगभग 5500-6000 मरीजों का नि:शुल्क डायलिसिस किया जा रहा है।

खास खबर

प्रयास आवासीय विद्यालय के बच्चे बढ़ा रहे है जिले का मान

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में प्रयास आवासीय विद्यालय में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के 500 विद्यार्थियों को नि:शुल्क अध्ययन के साथ ही साथ कोचिंग सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वर्ष 2023-24 में कक्षा 12वीं में अध्ययनरत गणित विषय के 18 विद्यार्थी जेईई मेंस परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, जिसमें से 04 विद्यार्थी क्रमश: भावना, पूर्वा, रोशनी एवं सुनिधि जेईई एडवांस में क्वालीफाईड हुए है, इनका चयन आईआईटी में संभावित है। उक्त परीक्षा परिणाम से विभाग एवं जिला प्रशासन गौरवान्वित हुआ है। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उक्त परीक्षा की तैयारी में कलेक्टर सुश्री चौधरी, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास हेमंत सिन्हा, प्रशासकीय अधिकारी एवं अध्यापन हेतु चयनित संस्था 'गुरूकृपा कैरियर इंस्टीट्यूट' का अत्यधिक महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साथ ही अपर कलेक्टर श्री अरविन्द एक्का व संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी का विशेष सहयोग रहा। प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों को अध्यापन एवं कोचिंग के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास एवं विभिन्न क्रियाकलाप, व्यक्तिगत रुचि लेते हुए पूर्ण किए जाने का ही परिणाम है जो उक्त बहुत अच्छा परीक्षा परिणाम प्राप्त हुआ है।

महतारी वंदन योजना से हितग्राही हो रहे लाभान्वित

दुर्ग। सरकार की महत्त्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना से जिले के कई हितग्राही लाभान्वित हो रहे हैं। जिनमें से एक ग्राम रानीतराई पाटन की निवासी श्रीमती शारदा नगारची महतारी वंदन योजना से बहुत खुश है। श्रीमती नगारची अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताती हैं, उन्हें योजना से हर माह 1 हजार रूपए की राशि मिलती है जिसे वह सुकन्या योजना अंतर्गत अपनी बेटी के नाम से जमा करती है और बाकी बच्चों की पढ़ाई में खर्च करती है। प्राप्त राशि से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और परिवार की देखभाल अब और अच्छे से कर पा रही है। वे कहती है छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा कर मध्यम एवं निम्न वर्ग की महिलाओं को मजबूती प्रदान किया और महिलाओं का इतना सम्मान बढ़ाया है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के लिए आवेदन 24 जून तक

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए स्वीकृत/रिक्त 03 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं 01 सहायिका के पद पर नियुक्ति की जानी है। नियुक्ति हेतु आवेदन 10 से 24 जून 2024 तक बाल विकास परियोजना कार्यालय दुर्ग (शहरी) पांच बिल्डिंग बाल संरक्षण गृह परिसर, महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्ग में सीधे अथवा पंजीकृत डाक से कार्यालयीन समय सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक जमा किया जा सकता है। आंगनबाड़ी केन्द्र गौरैया पारा दुर्ग सिकोला भांठा वार्ड 14, तितुरडीह केन्द्र क्रमांक 02 वार्ड 19 एवं पचरीपारा केन्द्र क्रमांक 01 वार्ड 28 के लिए कार्यकर्ता पद तथा आंगनबाड़ी गायत्री मंदिर वार्ड 25 के लिए सहायिका के एक पद पद की भर्ती की जानी है।

परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना से मिली जानकारी अनुसार आवेदन किये जाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक गाईडलाईन के तहत आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आयु की गणना आवेदन आमंत्रित करने की सूचना जारी होने की तिथि से की जाएगी। सेवा की अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष होगी। (एक वर्ष या अधिक सेवा का अनुभव रखने वाली कार्यकर्ता/सहायिका/सह-सहायिका/संगठिका को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी)। आवेदिका उसी वार्ड की स्थायी निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड में आंगनबाड़ी केन्द्र स्थित है। निवासी होने के प्रमाण में नगरीय क्षेत्र में संबंधित वार्ड की अद्यतन मतदाता सूची में नाम दर्ज हो तो आवेदन पत्र में उसके क्रमांक का उल्लेख कर प्रतिलिपि लगाई जाए अथवा वार्ड पार्षद तथा पटवारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र जिसमें वार्ड में निवासरत् रहने का पता सहित स्पष्ट उल्लेख हो, मान्य किया जाएगा। आवेदिका की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद हेतु 12वीं अथवा 11 वीं बोर्ड उत्तीर्ण हो। ऐसे आवेदक द्वारा प्राप्त आवेदन अमान्य किये जा सकेंगे। उपरोक्तानुसार अर्हता रखने वाले इच्छुक आवेदिका रिक्त कार्यकर्ता/सहायिका पद हेतु आवेदन कर सकते हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं/सहायिकाओं का पद पूर्णत: मानसेवी तथा अशासकीय पद है। इन्हें केन्द्र शासन एवं राज्य शासन द्वारा निर्धारित मानदेय दिया जाएगा।

कलेक्टर ने विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, सुरक्षा के प्रबंध एवं ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता की ली समीक्षा बैठक

बारिश से पूर्व पूर्ण करें मरम्मत कार्य, 30 मिनट के भीतर निर्बाध बिजली व्यवस्था की जाएं दुरूस्थः कलेक्टर

श्रमबिन्दु / दुर्ग

कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में छत्तीसगढ़ स्टेट इलेक्ट्रिकल बोर्ड के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने वर्तमान में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, सुरक्षा के प्रबंध एवं ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता की जानकारी ली। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि मेंटेनेन्स का कार्य किया जा चुका है। डैमेज पार्ट्स बदलने का कार्य किया जा रहा और वर्तमान मे केबल बदलने का कार्य अभी शेष है। कलेक्टर ने शेष कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने बारिश से पूर्व बिजली संबंधित सभी मरम्मत कार्यों का शीघ्र पूर्ण करने विद्युत विभाग के अधिकारी को निदेर्शित किया। साथ ही उन्होने ग्रामीण क्षेत्र मे सुधारने लायक ट्रांसफार्मर को सुधारे जाने का कार्य किया जाना सुनिश्चित करें ताकि उन्हें बिजली के चलते कृषि कार्य में असुविधा ना हो। इसके साथ आवश्यकता अनुसार ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य भी किया जाना सुनिश्चित किया जायें। उन्होंने जल जीवन मिशन में बिजली कनेक्शन हेतु लंबित कनेक्शन तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली लाइनों के 10 फ़ीट या उससे कम के दायरे में आने वाले पेड़ों की शाखाओं को चिन्हांकित कर उन्हे बारिश के पहले काटा जाएं। कलेक्टर ने शहरी एवं ग्रामीण दोनों इलाकों में बारिश के पहले बिजली व्यवस्था दुरूस्थ किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने बिजली विभाग द्वारा जारी टोल फ्री नं. 1912 से प्राप्त शिकायतों का तत्परता से निदान पर बल देने कहा। साथ ही अघोषित बिजली कटौती की शिकायत मिलते ही 30 मिनट के भीतर निर्बाध बिजली व्यवस्था दुरूस्थ किए जाने के निर्देश दिए। सभी स्थानों पर नियमित वोल्टेज एवं टांसफार्मरों की जांच कर खराब टांसफार्मरों को बदलने कहा। जिले के नागरिकों के लिए बिजली के शिकायत दर्ज कराने के लिए टॉल फ्री नंबर 1912 जारी किया गया है।

बैठक में बिजली विभाग के अधिकारी ने बताया कि भिलाई, रिसाली एवं नेहरूनगर क्षेत्र में मैन पॉवर की कमी होने के कारण कार्य में विलंब होता है। जिस पर कलेक्टर ने ठेकेदार के माध्यम से लाईन मेन की उपलब्धता सुनिश्चित कर इन क्षेत्रों में नियमित जांच एवं मेन्टेनेंस कार्य करवाने को कहा। उन्होंने हुकिंग कनेक्शन के द्वारा बिजली चोरी होने के मामले की भी समीक्षा की। इससे बचने के लिए उन्होंने विजिलेंस के माध्यम से फर्जी कनेक्शन का निरीक्षण कर उन्हे बंद करने एवं नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। डिजिटल मीटर लगवाना सुनिश्चित करने को कहा। बैठक मे जिले के सभी विकासखण्ड के विद्युत विभाग के अभियंता व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सिंटर प्लांट विभाग ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

श्रमबिन्दु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटर प्लांट विभाग ने 09 जून 2024 को भिलाई क्लब में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेषक पवन कुमार तथा विशेष अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ रवींद्रनाथ एम उपस्थित थे। सिंटर प्लांट विभाग के सदस्यों ने बड़ी संख्या में रक्तदान शिविर में भाग लेकर रक्त एवं रक्त उत्पादों की आवश्यकता के विषय में जागरूकता बढ़ाने हेतु स्वेच्छा से रक्तदान किया।

यह रक्तदान शिविर मुख्य महाप्रबंधक (सिंटर प्लांट्स) अनूप कुमार दत्ता के मार्गदर्शन में महाप्रबंधक व विभागाध्यक्ष (एसपी-2) जगेंद्र कुमार तथा महाप्रबंधक व विभागाध्यक्ष (एसपी-3) एम आर के शरीफके सहयोग से वित्तीय वर्ष 2023-24 में सिंटर प्लांट के रिकॉर्ड तोड़ वार्षिक उत्पादन और विभाग के एबीपी लक्ष्यों की पूर्ति के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि पवन कुमार ने अपने संबोधन में रक्तदान पहल की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि सिंटर प्लांट बिरादरी ने उत्पादन में नए कीर्तिमान स्थापित करने के साथ ही समाज सेवा में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। श्री पवन कुमार ने कहा कि यह रक्तदान शिविर सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की समाज के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

विशेष अतिथि डॉ रवींद्रनाथ एम ने रक्तदान शिविर की सराहना की और रक्तदान शिविरों के महत्व पर प्रकाश डाला। रक्तदान का उद्देष्य यह सुनिश्चित करना है कि चिकित्सकीय आपातकाल में जरूरतमंद व्यक्तियों को सुरक्षित रक्त मिल सके। डॉ रवींद्रनाथ ने कहा कि रक्तदान के माध्यम से हम कई लोगों की जान बचा सकते है।

प्रारंभ में उपस्थित सभी लोगों ने रक्तदान जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण पर नारों के माध्यम से स्वास्थ्य और पर्यावरण सस्टेनेबिलिटी के लक्ष्य को उजागर किया। शिविर में भाग लेने वाले स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने भविष्य में भी इस तरह की पहल के माध्यम से समाज में अपना योगदान जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर सिंटर प्लांट बिरादरी के आर डी शर्मा, श्रीमती सरिता देवांगन, गंगाधर मोरे तथा अन्य सदस्यों द्वारा संगीतमय प्रस्तुतियां भी दी गईं।

रक्तदान शिविर के सफल आयोजन में उप महाप्रबंधक (एसपी-3) एम यू राव, सहायक महाप्रबंधक (एसपी-3) आर के रणदिवे, सहायक महाप्रबंधक (एसपी-3) राजेश साहू, वरिष्ठ प्रबंधक (एसपी-3) अरुणेश शर्मा, उप प्रबंधक (एसपी-3) दिनेश मानिकपुरी तथा राजीव शर्मा सहित स्वैच्छिक रक्तदाताओं, तथा सिंटर प्लांट विभाग व जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र कर्मचारियों ने योगदान दिया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में 05 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सिंटर प्लांट-3 में वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया था। इस अवसर पर एसपी-3 बिरादरी द्वारा बड़ी संख्या में पौधे लगाकर शराफ्त बाग पार्क का उद्घाटन भी किया गया।

ऋण उप समिति की बैठक में 4472 करोड़ की साख सीमा एवं ऋण स्वीकृत

श्रमबिन्दु / दुर्ग

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग में आज ऋण उप समिति एवं बोर्ड की बैठक कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी एवं प्राधिकृत अधिकारी के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में बोर्ड के सदस्य श्री अवधेश मिश्रा उप पंजीयक सहकारी संस्थाएँ दुर्ग एवं श्री विकास साहू सहायक संचालक कृषि एवं हृदेश शर्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित रहें। ऋण उप समिति की बैठक में बैंक से सम्बद्ध सेवा सहकारी समितियों को केसीसी ऋण अंतर्गत 4462 करोड़ का साख सीमा स्वीकृत किया गया जिसके अंतर्गत समितियों से किसानों को कृषि कार्य, उद्यानिकी, पशुपालन, बोर पम्प, तारफेंसिग, ट्रेक्टर ऋण, स्वयं सहायता समूह ऋण की स्वीकृति दी गयी। इसके अतिरिक्त 10 करोड़ रुपये गैर कृषि कार्य हेतु गोल्डन क्रेडिट कार्ड, व्यक्तिगत ऋण स्वीकृत किया गया। बैठक में बोर्ड के सदस्यों द्वारा खरीफ ऋण वितरण कार्य में प्रगति लाने निर्देशित किया गया। खरीफ वितरण वर्ष 2024-25 में अभी तक कुल 600 करोड़ का ऋण वितरण हो गया है।

बोर्ड की बैठक में बैंक के कालातीत ऋणी सदस्यों का एकमुश्त समझौता योजना 2023 के तहत 79 हितग्राहियों को 92.37 लाख रु. ब्याज छूट की स्वीकृति दी गई। वर्ष 2024-25 हेतु प्रति हेक्टेयर ऋणमान की पुष्टि किया गया, बैंक के उप समितियों के कार्यवाही का अवलोकन व समीक्षा किया गया, कोर बैंकिंग सिस्टम से संबंधित कार्यों की आवश्यक स्वीकृति दी गई। बैंक के निवेश, अमानतों, ऋण वितरण एवं वसूली की समीक्षा की गयी। नाबार्ड निरीक्षण एवं सांविधिक अंकेक्षण के अंतर्गत पाए गए आक्षेपो के पालन प्रतिवेदन का अवलोकन किया गया।

मानसून की शीध्रता को देखते हुए आयुक्त ध्रुव ने ली अधिकारियो की बैठक

श्रमबिन्दु / भिलाई

आगामी कुछ दिनो में मानसून के आगमन को देखते हुए आयुक्त देवेश कुमार ध्रुन ने नगर निगम भिलाई एवं भिलाई स्टील प्लांट के अधिकारियो को दिये निर्देश जिसमे प्रमुख रूप से अपर आयुक्त, सर्व अधीक्षण अभियंता, सर्व जोन आयुक्त, बीएसपी से के के यादव , स्वास्थ्य अधिकारी, कार्यपालन अभियंता, भवन अधिकारी, सर्व जोन स्वास्थ्य अधिकारी, जनसम्पर्क अधिकारी आदि को बारीश से पूर्व कार्य योजना के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में जितने भी पुराने होर्डिंग लगे है उन सभी को चेक किया जावे, कोई कमजोर, सड़ा गला होर्डिंग हो उसे हटाया जाये। नालियो एवं नाली के सफाई में शीध्रता लाया जाये। जलजनित बिमारी जैसे-डायरिया, मलेरिया, डेंगू इत्यादि से बचने के लिए घर-घर जाकर दवाई का वितरण करना, घरो को चेक करना, प्रत्येक जोन में विशेष दल गठित कर रखना जो आवश्यकता पड़ने पर मुस्तैद रहे। नगर निगम भिलाई में कंट्रोल रूम सुचारू रूप से संचालित हो, तीनो सिफ्ट में कर्मचारी बैठे लोगो की समस्याओ को नोट करके संबंधित अधिकारी कर्मचारी को बताये। स्वास्थ्य विभाग का दल नालियो में या अन्य किसी स्थल पर पाईप से पानी का लिकेज हो रहा हो तो उसे बताये, उसका संधारण कार्य निगम का जल विभाग त्वरित रूप से करे। सभी जोन से पानी का सेंपल लिये जाये, उनकी जॉच की जाये कि पर्याप्त मात्रा में गुणवत्ता है की नहीं। उसी के साथ बहुत से घरो में प्राइवेट एजेंसी से आर.ओ. का पानी लिया जाता है। उन्हे भी चेक करे वह भी मानक के अनुकुल है कि नहीं। इसके संबंध में आम नागरिको, जनप्रतिनिधियो, सामाजिक कार्यकर्ताओ, व्यापारियो से भी अपील की गई है कि सब लोग नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारियो का सहयोग करे।

बैठक में हुई शहरी अजीविका मिशन की समीक्षा

नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में शहरी अजीविका मिशन की समीक्षा बैठक ली गई। जिसमें रायपुर से राज्य स्तरीय शहरी आजीविका मिशन टीम निगम सभागार में पहुंचकर शासन से जारी गाईडलाइन से संबंधित दिशा-निर्देश दिये। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में शासन की विभिन्न योजना से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। जिसमें राज्य स्तरीय शहरी अजीविका मिशन रायपुर की टीम प्रमुख रूप में स्टेट मैनेजर प्रशांत ताम्बोली, उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील अग्रहरी ने शासन की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। पूर्व में चल रहे प्रधानमंत्री स्व.निधि योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के प्रगति के बारे में पूछ नये दिशा निर्देश दिए कि किस प्रकार से शहरी लाभार्थियों को इस योजना से जोड़कर उनको विकासमुखी बना सकते है। स्व.निधि योजना जिसके अंतर्गत ऐसे छोटे व्यापारी जिनको अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है। उन्हे शासन की गारंटी पर आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक पासबुक को आधार मानकर व्यापार करने के लिए प्रारंभिक अवस्था में 10000 का लोन प्रदान किया जाता है। जो बाद में बढ़ते क्रम में बढ़ते जाता है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का उद्देश्य कारीगर एवं शिल्पकारों की पहचान कर विश्वकर्मा के रूप में उन्हे सभी लाभ प्राप्त करने के योग्य बनाना।

स्वामी / प्रकाशक / शिव श्रीवास्तव द्वारा विकास प्रकाशन 208 आकाशगंगा भिलाई से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-दिलीप श्रीवास्तव, जगदलपुर स्थानीय संपादक - अर्जुन झा * पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, प्रबंध संपादक-पुरेन्द्र देशमुख। फोन : 07883558190, मो. 9425228630